E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 264 | गुवाहाटी | सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सभी कानूनी सेवा समितियां अपना काम करेंगी — पेज 2
कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार का मतलब कांग्रेस : दिलीप सैकिया — पेज 3
प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के नक्शे से मिट जाएगा आतंकवाद : गौरव गौतम — पेज 5
कृष्णा भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी बड़ी भूमिका निभाएंगे : रायुडु — पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राष्ट्र विरोधी कमेंट असम में 16 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर की गईं देशद्रोही टिप्पणियों को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। असम में अबतक 16 लोगों गिरफ्तार किया गया है। सूबे के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा में भीड़ पर जा चढ़ी कार नौ लोगों की मौत

ओटावा। वैंकूवर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एक कार तेज रफ्तार में भीड़ में घुस गई, जिससे 9 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। यह घटना रात करीब 8 बजे ईस्ट 41वें एवेन्यू और फ्रेजर स्ट्रीट के पास हुई। वहां *लापु लापु* डे नाम का फिलिपीनो सांस्कृतिक उत्सव चल रहा था, जिसमें हजारों लोग शामिल थे। चश्मदीदों के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी में शामिल न होने वाले आधार कार्डधारकों पर होगी कार्रवाई : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को उन आधार कार्डधारकों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की, जिनके नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में शामिल नहीं हैं या जिन्होंने इसमें शामिल होने के लिए आवेदन नहीं किया है। असम ने दिसंबर 2013 में अधिसूचना जारी होने के बाद 1,600 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 1951 की एनआरसी को अद्यतन करने की कवायद शुरू की थी। नागरिकों की अद्यतन सूची का पूरा मसौदा अगस्त 2019 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उचित दस्तावेजों की कमी के कारण लगभग 3.3 करोड़ आवेदकों में से 19.06 लाख को बाहर रखा गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को उन आधार कार्डधारकों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की, जिनके नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में शामिल नहीं हैं या जिन्होंने इसमें शामिल होने के लिए आवेदन नहीं किया है। असम ने दिसंबर 2013 में अधिसूचना जारी होने के बाद 1,600 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 1951 की एनआरसी को अद्यतन करने की कवायद शुरू की थी। नागरिकों की अद्यतन सूची का पूरा मसौदा अगस्त 2019 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उचित दस्तावेजों की कमी के कारण लगभग 3.3 करोड़ आवेदकों में से 19.06 लाख को बाहर रखा गया था। गुवाहाटी के पश्चिमी छोर पर अजारा में पंचायत चुनाव के लिए प्रचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार असम में अवैध प्रवासियों के मुद्दे के समाधान के लिए प्रयास तेज कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों के भीतर हम उन लोगों के खिलाफ भी अभियान शुरू करेंगे, जिन्होंने आधार कार्ड हासिल कर लिया है और एनआरसी के लिए आवेदन किए बिना असम में रह रहे हैं। एनआरसी प्रक्रिया को तब रोक दिया गया था जब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाली सरकार ने नागरिकों की सूची के पुनर्सत्यापन की मांग की थी ताकि उन गैर-नागरिकों को बाहर निकाला जा सके जिनके बारे में उनका दावा था कि वे फर्जी दस्तावेजों के साथ इसमें शामिल हुए थे। इस प्रक्रिया का नेतृत्व करने वाले कुछ अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और हेराफेरी के भी आरोप लगे थे। आधार नंबर को एनआरसी से जोड़ने के प्रयास में, असम कैबिनेट ने दिसंबर 2024 में उन लोगों के विशिष्ट पहचान पत्र के आवेदनों को अस्वीकार करने का फैसला किया, जिन्होंने एनआरसी में शामिल होने के लिए आवेदन नहीं किया था। शर्मा ने कहा कि राजनीतिक रूप से अस्थिर बांग्लादेश के नागरिकों द्वारा घुसपैठ के प्रयासों के कारण यह निर्णय लिया गया। सितंबर 2024 में, शर्मा ने कहा कि असम में कम से कम चार जिलों : बरपेटा, धुबड़ी, मोरीगांव और नगांव में अनुमानित आबादी से ज्यादा आधार कार्डधारक होंगे। इनमें से ज्यादातर जिले मुस्लिम हैं, जिनमें से ज्यादातर बंगाली मूल के हैं, जिन्हें अक्सर बांग्लादेशी माना जाता है। उन्होंने कहा कि बरपेटा जिले की अनुमानित जनसंख्या के 103.74 प्रतिशत लोगों के पास आधार कार्ड पाए गए, जबकि धुबड़ी (बांग्लादेश की सीमा से लगे), नगांव और मोरीगांव जिलों के लिए यह आंकड़ा क्रमशः 103.48 प्रतिशत, 101.86 प्रतिशत और 101.76 प्रतिशत था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रस्ताव पर विचार करने के बाद केंद्र ने असम में आधार कार्ड बनवाना और भी कठिन बनाने पर सहमति जताई है। एनआरसी आवेदन संख्या का उल्लेख करने के अलावा, आधार आवेदक को संबंधित जिला आयुक्त से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी लेना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नई शर्तें उन 9.52 लाख लोगों पर लागू नहीं होंगी जिनके बायोमेट्रिक्स एनआरसी अद्यतनीकरण प्रक्रिया के दौरान रोक दिए गए थे, तथा कुछ चाय बागान श्रमिक जो पहुंच संबंधी समस्याओं के कारण आवेदन करने में असमर्थ थे। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा का बिलावल पर पलटवार, कहा–

भारत को बदला लेने से कोई नहीं रोक सकता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी को कड़ा जवाब देते हुए उनकी भारत विरोधी टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि भारत पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले का निर्णायक बदला लेने से पीछे नहीं हटेगा। शर्मा ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया और यह स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवादी नेटवर्क का पता लगाएगा और उन्हें नष्ट कर देगा, चाहे वे कहीं भी मौजूद हों। शर्मा की टिप्पणी बिलावल भुट्टो द्वारा साझा किए गए एक वीडियो के जवाब में की गई, जिन्होंने सिंधु जल संधि से पाकिस्तान के हटने के बाद भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान देना जारी रखा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर -शेष पृष्ठ दो पर

परीक्षा में गड़बड़ी के कारण नगांव के नौ स्कूलों में दाखिले निलंबित

नगांव। परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई करते हुए, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (सेबा) ने नगांव जिले के नौ स्कूलों में कक्षा 11 में दाखिले को निलंबित करने का आदेश दिया है। 27 मार्च को आयोजित उच्चतर माध्यमिक (एचएस) कक्षा 11 की अंतिम परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्रों के अनधिकृत उपयोग और आधिकारिक मुहरों के साथ छेड़छाड़ के गंभीर आरोपों के बाद यह सख्त कार्रवाई की गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत को बांग्लादेश के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर विचार करना चाहिए : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि भारत को बांग्लादेश के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने पर विचार करना चाहिए। डिब्रूगढ़ में पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि भारत को बांग्लादेश के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन ये रणनीतिक फैसले हैं। हमें एक सीमा से आगे नहीं जाना चाहिए। एक मुख्यमंत्री के तौर पर हम अनुरोध कर सकते हैं, लेकिन भारत सरकार पूरे सुरक्षा पहलुओं पर -शेष पृष्ठ दो पर

सोशल मीडिया पर तीखी नोकझोंक

सीएम शर्मा और गौरव गोगोई के बीच पाकिस्तान लिंक को लेकर टकराव

गुवाहाटी। पंचायत चुनावों में अब केवल चार दिन शेष रह गए हैं और असम का राजनीतिक परिदृश्य गरमा गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। पहले से ही तनावपूर्ण प्रतिद्वंद्विता सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग में तब्दील हो गई है। प्रेस में शुरू हुई जुबानी जंग रविवार को नाटकीय ढंग से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी फैल गई, जब शर्मा ने सार्वजनिक रूप से जोरहाट के सांसद से कई तीखे सवाल पूछे और उन पर पाकिस्तान के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

चुनावों से पहले सीएम ने डिब्रूगढ़ के विकास को बढ़ावा दिया

गुवाहाटी। पंचायत चुनावों से पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को डिब्रूगढ़ के टिंगखांग में अपने विकास एजेंडे को आगे बढ़ाया और आने वाले दिनों में कई विकास परियोजनाओं का वादा किया। एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए, शर्मा ने घोषणा की कि डिब्रूगढ़ में जल्द ही असम विधानसभा का नया भवन बनेगा, जिसका निर्माण सितंबर में शुरू होगा। शर्मा ने घोषणा की कि डिब्रूगढ़ अब असम की दूसरी राजधानी है। असम विधानसभा का आगामी निर्माण जिले के विकास में एक नया अध्याय लिखेगा। उन्होंने मोरान-नाहरकटिया सड़क और ट्रांस अरुणाचल राजमार्ग के उद्घाटन पर भी प्रकाश डाला – दो प्रमुख बुनियादी ढांचा -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने बिहू, पूजा समितियों से कहा–

अनुदान पाने के लिए विशेष एचएसएलसी कक्षाएं आयोजित करें

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य भर में बिहू और पूजा समितियों से हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) छात्रों के लिए विशेष शाम की कक्षाएं आयोजित करके शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करने का आग्रह किया है। रविवार को अजारा में चंद्रप्रभा बोरा हाई स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में बोलते हुए, शर्मा ने प्रस्ताव रखा कि ये समितियां स्कूल के बाद छात्रों के लिए कक्षाएं -शेष पृष्ठ दो पर

सिद्धारमैया के बाद कर्नाटक के मंत्री का विवादित बयान

आतंकियों ने धर्म नहीं पूछा था

बंगलूरू। कर्नाटक में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर विवादित बयान देने की होड़ सी लग गई है। एक दिन पहले सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि- वे पाकिस्तान के साथ युद्ध के पक्ष में नहीं है। अब उनकी सरकार के एक मंत्री ने यह कहकर एक और विवाद खड़ा कर दिया है कि आतंकवादी हत्या करने से पहले उसका धर्म नहीं पूछते। बता दें कि, राज्य के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आतंकियों ने गोली मारने से पहले लक्ष्य का धर्म पूछा होगा। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति गोली चला रहा है, क्या वह जाति या धर्म पूछेगा? वह बस गोली चलाकर चला जाएगा। व्यावहारिक रूप से सोचें। वह वहां खड़ा होकर नहीं पूछेगा और फिर गोली नहीं चलाएगा। मंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

जेएनयू : एबीवीपी के हाथ रहेगी सत्ता की चाबी

नई दिल्ली। देश के प्रसिद्ध जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने करिश्मा कर दिखाया है। संगठन को जेएनयू के कुल 42 काउंसलर पदों में से 23 पर निर्णायक जीत मिली है। आधे से अधिक काउंसलर पदों पर जीत का आशय है कि एबीवीपी की सहमति के बिना जेएनयू छात्र संघ कोई निर्णय नहीं कर पाएगा। कोई भी प्रशासनिक निर्णय एबीवीपी पदाधिकारियों की सहमति के बाद ही लिया जा सकेगा। हालांकि, अध्यक्ष सहित चारों प्रमुख पदों पर कौन जीता, इस पर छात्रों का अंतिम निर्णय रविवार देर रात तक ही -शेष पृष्ठ दो पर

भारत न छोड़ने वाले पाकिस्तानियों पर होगी बड़ी कार्रवाई

तीन साल जेल, तीन लाख जुर्माना या दोनों सजाएं

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की गई है। जिसमें भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों (अलग-अलग वीजा रखने वालों) को देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था। जिसमें कुछ चले गए हैं और कुछ दो दिन कुछ और भी वापस देश से भेजे जाएंगे। वहीं इस नियम को न मानने वाले पाकिस्तानियों पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, कोई भी पाकिस्तानी नागरिक, जो सरकार की तरफ से निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत छोड़ने में विफल रहता है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा, उस पर मुकदमा चलाया जाएगा और उसे तीन साल तक की जेल या अधिकतम तीन लाख रुपए का जुर्माना या दोनों सजाओं का -शेष पृष्ठ दो पर

हनीफ अब्बासी ने खुलेआम भारत को दी परमाणु हमले की धमकी

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बरकरार है। इस बीच पाकिस्तान के मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत को परमाणु हमले की धमकी देकर तनाव को और बढ़ा दिया है। अब्बासी ने साफ कहा कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार दिखावे के लिए नहीं हैं। अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान की जल आपूर्ति को रोकने की हिम्मत करता है, तो उसे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वे हमें पानी की आपूर्ति बंद कर देते हैं, तो उन्हें युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे पास जो सैन्य उपकरण हैं, जो मिसाइलें हैं, वे प्रदर्शन के लिए नहीं हैं। कोई नहीं जानता कि हमने देश भर में अपने परमाणु हथियार -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र की स्वास्थ्य नीति में शीघ्र निदान, उपचार और रोकथाम पर दिया गया है जोर : जेपी नड्डा

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि देश में स्वास्थ्य उपचार बुनियादी ढांचे के निर्माण पर बड़े पैमाने पर ध्यान दिया जा रहा है, विशेष रूप से इस वर्ष कैंसर के उपचार पर। उन्होंने बताया कि शीघ्र निदान और उपचार के कारण 90 फीसदी कैंसर मरीजों को 30 दिनों के भीतर उपचार शुरू हो गया है, जिसे वैश्विक स्तर पर सराहा गया है। संभाजीनगर जिले के सरकारी कैंसर अस्पताल में रविवार को कैंसर के इलाज के लिए टू बीम यूनिट नामक अत्याधुनिक रेडिएशन थेरेपी प्रणाली का उद्घाटन किया गया। इसी कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि 2019 में जिस स्थान पर उन्होंने भूमि पूजन किया था, आज वहां एक भव्य और आधुनिक अस्पताल खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य नीति में शीघ्र निदान, उपचार और रोकथाम पर जोर दिया गया है। इस दिशा में 200 डे केयर सेंटर इस वर्ष स्थापित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, नर्सिंग शिक्षा के लिए नई नीति बनाई गई है, जिसमें देशभर में 100 नए नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। नड्डा ने बताया कि ट्रू बीम प्रणाली के माध्यम -शेष पृष्ठ दो पर

देश सबसे अहम, धर्म और भाषा बाद में : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार को पूरा समर्थन दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को इस समर्थन का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए, सभी को विश्वस में लेकर आगे बढ़ना चाहिए। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से दो कर्नाटक के थे। खड़गे ने कहा कि देश सबसे महत्वपूर्ण है और सभी को मिलकर इसकी रक्षा के लिए लड़ना और इसके कल्याण के लिए काम करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुरुवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में शामिल न होना ठीक नहीं था। एक सवाल के जवाब में खड़गे ने कहा कि मैं पहले ही कह चुका -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एससी जज दीपंकर दत्ता का पहलगाम हमले को लेकर बयान

सभी कानूनी सेवा समितियां अपना काम करेंगी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले पर सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपंकर दत्ता ने शोक व्यक्त किया और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि सभी कानूनी सेवा समितियां अपना काम करेंगी। जस्टिस दत्ता ने कहा कि हम उन सभी परिवारों के साथ हैं जो इस हमले में शिकार हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव लिया है। हम पीड़ितों के साथ हैं, जो भी नालसा या किसी अन्य कानूनी सेवा समिति के तहत किया जा सकता है, वे समितियां अपना काम करेंगी। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि ऐसा घटना फिर से न हो। दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस सौरभ बनर्जी ने उम्मीद जताई कि जल्दी ही अच्छे दिन आएंगे। उन्होंने कहा कि जो हुआ वह दुखद है। मुझे लगता है कि जल्द ही हम एक अच्छे दिन की शुरुआत देखेंगे, और हम देखेंगे कि हमारे कश्मीर के भाई-बहन वही विश्वस साझा करेंगे जो हम भारतीयों का है। इस बीच, हमले के शिकार शुभम द्विवेदी के परिवार ने सरकार से उसे शहीद का दर्जा देने की अपील की। हमले की भयावहता को याद करते हुए द्विवेदी की पत्नी एशनाय ने दुख और चिंता व्यक्त की और कहा कि पीड़ितों के परिवारों को अक्सर भुला दिया जाता है, इसलिये उन्होंने शहीद का दर्जा देने की मांग की। लोग अक्सर पीड़ितों के परिवारों को भूल जाते हैं, जैसे पुलवामा हमले के पीड़ितों, 26/11 के हमले के पीड़ितों को... हम नहीं चाहते कि शुभम को भुला दिया जाए, और इसलिये मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि उसे शहीद का दर्जा दिया जाए। 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हमला 2019 के पुलवामा हमले के बाद से घाटी में हुआ सबसे घातक हमला था।

बीकानेर में जया किशोरी का *ड्रीम टू रियलिटी 2.0* कार्यक्रम 11 मई को

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर में 11 मई को एमजीएसयू ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले जया किशोरी के *ड्रीम टू रियलिटी 2.0* कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार सामग्री का लोकार्पण होटल लक्ष्मी निवास पैलेस में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. मनोज दीक्षित ने इसे बीकानेर की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया। वरिष्ठ समाजसेवी शशि मोहन मूंदड़ा और नाल थाना इंचार्ज विकास विश्नोई ने भी कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। महावीर रांका ने नशाखोरी पर चिंता जताते हुए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता बताई। आयोजन का शुभारंभ रोटरी अपराइज अध्यक्ष प्रियंका शंगारी ने किया तथा आयोजन की रूपरेखा डॉ. विकास पारीक ने प्रस्तुत की। प्रमुख प्रायोजक हेमंत आसोपा ने कार्यक्रम को समाज सेवा हेतु एक माध्यम बताया। विभिन्न सह-प्रायोजकों को सम्मानित किया गया। टिकट से प्राप्त धनराशि जनहित प्रकल्पों में उपयोग की जाएगी, जैसे कि पूर्व में सोनू शर्मा के कार्यक्रम से रोटरी स्वर्ग रथ निर्माण और मेडिकल इमरजेंसी बैंक बनाए गए थे। संचालन ज्योति प्रकाश रंगा ने किया और आभार सुनील चमड़िया तथा नीलम सिंगी ने व्यक्त किया। आयोजन की सफलता में कई रोटेरियनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बंगाईगांव पुलिस ने ड्रग्स तस्कर को किया गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव पुलिस को नशे के खिलाफ अभियान में एक और सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने रविवार को बताया कि भरोसेमंद सूचना के आधार पर लेंग्तिसिंगा पुलिस चौकी के प्रभारी और महिला पुलिसकर्मियों की टीम ने परेरचर पार्ट-3 इलाके में छापा मारकर एक ड्रग्स तस्कर को धर दबोचा। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनिदुल इसाम के रूप में की है। उसके पास से 3.63 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर, एक सिरिंज और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय था और लंबे समय से पुलिस की निगरानी में था। गिरफ्तारी के बाद सनिदुल इसाम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह ड्रग्स कहां से ला रहा था और किसे सप्लाई कर रहा था। इस मामले में और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने इस सफलता के लिए लेंग्तिसिंगा पुलिस टीम की सराहना की है और जिले में नशे के खिलाफ जारी अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए हैं।

19.55 ग्राम संदिग्ध हेरोइन और नकदी के साथ आरोपी गिरफ्तार

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी पुलिस ने नशा विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने रविवार को बताया कि स्टेशन रोड, सोनपुर के पास एक विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरेश दास नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 19.55 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, एक मोटरसाइकिल (एएस-14आर-9076) और 2,180 रुपए नकद जब्त किए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुरेश दास लंबे समय से नशा तस्करी के धंधे में संलिप्त था। प्रारंभिक पूछताछ में सुरेश ने कुछ अहम जानकारियां भी पुलिस को दी हैं, जिनके आधार पर पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश कर रही है। बरामद हेरोइन की गुणवत्ता और बाजार मूल्य का आकलन करने के लिए उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि सुरेश दास के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे अदालत में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि नलबाड़ी जिले में नशे के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा ताकि इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सके।

बाड़मेर में पाकिस्तानी पीएम का फूंका पुतला, नारेबाजी भी की

बाड़मेर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 टूरिस्ट की हत्या के बाद लगातार विरोध बढ़ता जा रहा है। रविवार को बारमेड़ जिले के गुढ़ामालानी कस्बे में व्यापारियों और सामाजिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला जलाया और दो मिनट का मौन रखकर जान गंवाने वाले सैलानियों को श्रद्धांजलि दी गई। एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन दिया गया। जिसमें ऐसे कायराना हरकत करने और साजिश रचने वालों के खिलाफ कड़ी कड़ी से कार्रवाई करने की मांग की है।

राष्ट्र की प्रगति में संविधान की भूमिका का बड़ा महत्व : न्यायमूर्ति गोविंद माथुर

वाराणसी (हिंस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोविंद माथुर ने रविवार को चौबेपुर स्थित भंदहा कला (कैथी) गांव में आशा ट्रस्ट के पुस्तकालय में ग्रामीण विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की मजबूती और प्रगति का मूल आधार उसका संविधान होता है। न्यायमूर्ति माथुर ने भारत के स्वतंत्रता के समय का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत को आजादी के साथ ही एक सशक्त और व्यवस्थित संविधान प्राप्त हुआ, जबकि उसी समय स्वतंत्र हुए एक अन्य देश को 25 वर्षों तक कोई निश्चित संविधान नहीं मिला।

पृष्ठ एक का शेष

एनआरसी में शामिल ...

केंद्र ने अगस्त 2024 में एनआरसी में शामिल लोगों के बायोमेट्रिक्स पर लगी रोक हटाने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने असम पुलिस को पाकिस्तान का समर्थन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पहलगाम आतंकी हमले पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में अब तक 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम और डिंपल बोरा नामक एक महिला सोशल मीडिया पर्सनालिटी भी शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि मैंने असम पुलिस को सख्त आदेश दिया है कि यदि कोई पाकिस्तान को समर्थन देता हुआ पाया जाए तो उसे गिरफ्तार किया जाए और जरूरत पड़ने पर उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी लगाया जाए।

भारत को बदला ...

शर्मा ने पाकिस्तान के विश्वासघात और हिंसा के लंबे इतिहास की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में विश्वासघात का एक लंबा और खूनी इतिहास है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की जान गई है, जिसमें बिलावल भुट्टो के दादा और मां भी शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि एक अक्षम बेटे को इस तरह से बोलते हुए देखना दुखद है, जो उनके बलिदानों का अपमान करता है। उन्होंने भुट्टो के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परिवार ने जो रास्ता चुना है, वह केवल अपमान की ओर ले जाता है। शर्मा की टिप्पणियों ने उनके इस विश्वास को रेखांकित किया कि भुट्टो के बयानों ने न केवल उनके पूर्वजों द्वारा किए गए बलिदानों का अपमान किया है, बल्कि उनके नेतृत्व पर भी नकारात्मक प्रभाव डाला है। भारत के संकल्प की पुष्टि करते हुए शर्मा ने कहा कि जब हमारी गरिमा और हमारे लोगों की सुरक्षा की बात आती है, तो भारत को निर्णायक कार्रवाई करने से कोई नहीं रोक सकता। हमारी प्रतिक्रिया त्वरित और मजबूत होगी। असम के मुख्यमंत्री ने सिंधु नदी पर भारत के अधिकारों पर भी जोर देते हुए कहा कि सिंधु नदी का पानी हमारा है और यह निर्विवाद और शाश्वत रूप से हमारा रहेगा। शर्मा की टिप्पणी बिलावल भुट्टो द्वारा दिए गए भड़काऊ बयानों की एक श्रृंखला के बाद आई है। शुक्रवार को सुक्कुर में एक सार्वजनिक रैली के दौरान भुट्टो ने कसम खाई कि पाकिस्तान सिंधु जल संधि के भारत द्वारा एकतरफा निलंबन का जोरदार जवाब देने के लिए एकजुट होगा। उन्होंने घोषणा की कि सुक्कुर के बहादुर लोगों ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि हम किसी को भी सिंधु पर सौदेबाजी नहीं करने देंगे। सिंधु हमारी है, और हमारी ही रहेगी। या तो हमारा पानी इस नदी से बहेगा, या आपका खून। शर्मा ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और जल संसाधनों की सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए जवाब दिया। एक्स पर, उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान राज्य का विश्वासघात का एक लंबा और खूनी इतिहास है - इसने बिलावल भुट्टो के दादा और मां की जान ले ली। यह एक त्रासदी है कि एक अयोग्य बेटा आज इस तरह से बोलने का विकल्प चुनता है जो उनके बलिदान का भी अपमान करता है। मैं उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, क्योंकि उन्होंने जो रास्ता चुना है, वह केवल अपमान ही लाएगा। यह स्पष्ट है - कोई भी भारत को अपने सम्मान और अपने लोगों की सुरक्षा के लिए निर्णायक बदला लेने से नहीं रोक सकता। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत दुनिया में जहां भी मौजूद है, आतंक का पता लगाएगा और आतंकी ढांचे को नष्ट करेगा। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सिंधु का पानी हमारा है - और यह हमारा रहेगा, निर्विवाद और शाश्वत।

परीक्षा में गड़बड़ी के ...

निलंबन से प्रभावित स्कूलों में बागरीगुड़ी एडवांस अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अल्फा बीटा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एसएएस इंटरनेशनल मॉडल स्कूल (होजाई), शंकरदेव विद्या निकेतन (काठियातली), काठियाटोली सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रीमियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्टार लाइट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सूफी सुल्तान अहमद अकादमी और शंकरदेव विद्या निकेतन (राहा) शामिल हैं। एसईबीए ने कहा है कि प्रवेश अगले आदेश तक स्थगित रहेंगे, तथा चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने परीक्षा प्रक्रिया की पवित्रता से समझौता करने में कथित संलिप्तता का हवाला देते हुए इन संस्थानों की संबद्धता भी निलंबित कर दी है। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि अकादमिक मूल्यांकन की अखंडता को बनाए रखना अपरिहार्य है और उन्होंने परीक्षा प्रोटोकॉल के सख्त अनुपालन का आह्वान किया। यह कदम शिक्षा अधिकारियों द्वारा की गई पिछली कार्रवाई की पृष्ठभूमि में उठाया गया है, जब इस साल की शुरुआत में आर्य विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल को परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया था। कदाचार की बार-बार होने वाली घटनाओं ने बोर्ड को परीक्षा मानदंडों के किसी भी उल्लंघन के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाने के लिए प्रेरित किया है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग ने हाल ही में आयोजित हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन के कारण नगांव जिले के सात अन्य स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की है। गोसाईंबोरी गर्ल्स हाई स्कूल, लोंगजैप हाई स्कूल, हिंदुस्तानी हिंदी हाई स्कूल, गुइमारी हाई स्कूल, कनुवामारी हाई स्कूल, बेचामारी गर्ल्स हाई स्कूल और काठपारा गर्ल्स हाई स्कूल को नोटिस जारी कर 5 मई तक अपने खराब नतीजों के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारियों ने दोहराया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य राज्य की शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखना और संस्थानों में जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने पुष्टि की कि जहां भी कदाचार या लापरवाही पाई जाएगी, वहां इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत को बांग्लादेश ...

विचार करने के बाद ही फैसला लेगी - चाहे पाकिस्तान और बांग्लादेश को एक साथ संबोधित किया जाए या एक-एक करके। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा लिया जाएगा, लेकिन मैं पूर्वोत्तर के अन्य राजनीतिक नेताओं की तरह ही भावना रखता हूं, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शर्मा ने जनता से अपील करते हुए कहा कि देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा रखना चाहिए और विशेषज्ञ टिप्पणी से बचना चाहिए।

सीएम शर्मा और गौरव गोगोई ...

संदिग्ध संबंध होने का आरोप लगाया। शर्मा ने एक पोस्ट में गोगोई से पूछा कि क्या आप लगातार 15 दिनों के लिए पाकिस्तान गए थे? क्या यह सच है कि आपकी पत्नी भारत में काम करते हुए पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन लेती है? आपकी पत्नी और बच्चों की नागरिकता की स्थिति क्या है? गोगोई ने तुरंत जवाब देते हुए तीन जवाबी सवाल दागे और मुख्यमंत्री द्वारा उनके परिवार को राजनीतिक कीचड़ उछालने में घसीटे जाने पर निराशा व्यक्त की। गोगोई ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर आप यह साबित करने में विफल रहते हैं कि मैं और मेरी पत्नी दुश्मन देश के एजेंट हैं, तो क्या आप इस्तीफा दे देंगे? क्या आप अपने बच्चों और पत्नी के बारे में सवालों के जवाब देंगे? और क्या राज्य पुलिस असम के पहाड़ों को तबाह करने वाले और करोड़ों की अघोषित धनराशि बनाने वाले कोयला माफिया से जुड़े लोगों को गिरफ्तार करेगी? हम अभी भी एसआईटी रिपोर्ट जमा होने का इंतजार कर रहे हैं। गोगोई ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वह शर्मा के बच्चों को कभी भी राजनीतिक लड़ाई में नहीं घसीटेंगे। उन्होंने कहा कि परिवारों को निशाना बनाना न केवल सस्ता है, बल्कि यह एक नेता के लिए अनुचित भी है। अगर एसआईटी की रिपोर्ट है, तो उसे अभी जमा करें और असम के लोगों को सच्चाई दिखाएं। इस बीच, शर्मा ने गोगोई के हमले का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि न तो वह और न ही उनके परिवार के सदस्य कभी पाकिस्तान गए हैं और न ही उन्हें सीमा पार से कोई वित्तीय सहायता मिली है। उन्होंने दोहराया कि उनकी पत्नी और बच्चों सहित उनके परिवार का प्रत्येक सदस्य भारतीय नागरिक है। हालांकि, राजनीतिक बयानबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है। शर्मा ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि गोगोई को पाकिस्तान से जोड़ने वाली *पर्याप्त सामग्री* 10 सितंबर, 2025 को सार्वजनिक कर दी जाएगी। गोगोई ने मुख्यमंत्री पर लोगों की चिंताओं से दूर जाने का आरोप लगाते हुए भविष्यवाणी की कि असम के मतदाता 2026 के चुनावों में अपना फैसला सुनाएंगे। गोगोई ने कहा कि लोग उन्हें हटा देंगे। उन्हें इस्तीफा देने की जरूरत नहीं पड़ेगी - वे सुनिश्चित करेंगे कि वह जल्द ही विपक्ष की बेंच पर बैठें। तनाव बढ़ने के साथ ही शर्मा और गोगोई के बीच टकराव और भी तेज होने वाला है तथा दोनों एक दूसरे को नई चुनौतियां दे रहे हैं।

चुनावों से पहले ...

परियोजनाएं जिनसे क्षेत्रीय संपर्क में वृद्धि होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने राज्य में स्थायी शांति लाने में अपनी सरकार की उपलब्धियों पर जोर दिया तथा 8,000 से अधिक पूर्व उग्रवादियों को पुन: एकीकृत करने का हवाला दिया। शर्मा ने कहा कि आज असम में शांति है। हम गोलियों की आवाज नहीं, बल्कि पेपा और गोगोना की आवाजें सुनते हैं। जो युवा भटक गए थे, वे अपने परिवार के पास लौट आए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य में अब उग्रवादी समूह मौजूद नहीं हैं। शर्मा ने यह भी वादा किया कि असम का तेजी से बढ़ता औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र युवाओं को उनके गृह राज्य में ही बेहतर भविष्य प्रदान करेगा, जिससे अन्य राज्यों में कम वेतन वाली नौकरियों के लिए पलायन को रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारी औद्योगिक पहल यह सुनिश्चित करेगी कि असम के युवाओं को अब कर्नाटक या तेलंगाना जैसे स्थानों पर मामूली वेतन पर नौकरी की तलाश नहीं करनी पड़ेगी।

अनुदान पाने के लिए...

आयोजित करें, विशेष रूप से सरकारी स्कूलों के छात्रों को लक्षित करते हुए। उन्होंने कहा कि स्कूल के बाद, ये समितियां शाम को एचएसएलसी उम्मीदवारों के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित करने के लिए स्वयंसेवकों को शामिल कर सकती हैं; मान लीजिए शाम 6 बजे से 9 बजे तक। इससे सरकारी स्कूलों के छात्रों को बहुत फायदा होगा। समितियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आने वाले समय में वे सरकारी अनुदान के लिए तभी पात्र होंगे जब वे सालाना तीन महीने तक ये कक्षाएं चलाने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। शर्मा ने कहा कि धीरे-धीरे मैं यह शर्त रखूंगा कि समितियों को बोहाग बिहू या पूजा से पहले सरकारी अनुदान के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए तीन महीने तक ये कक्षाएं संचालित करनी होंगी। इस प्रतिबद्धता के बिना, उन्हें कोई भी धन नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस पहल को समर्थन देने के लिए एक नई योजना अगले कुछ दिनों में शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक प्रगति के लिए शैक्षणिक माहौल बनाना बहुत जरूरी है। उन्हें बस ये कक्षाएं आयोजित करनी हैं और सरकार बाकी सब कुछ संभाल लेगी, जिसमें स्वयंसेवी शिक्षकों के वेतन भी शामिल हैं। एचएसएलसी उत्तीर्ण प्रतिशत में हाल ही में आई गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए, शर्मा ने इस गिरावट को राज्य के अवधारणा-आधारित शिक्षा मॉडल की ओर बदलाव से जोड़ा। शर्मा ने कहा कि पास प्रतिशत में गिरावट अवधारणा-आधारित शिक्षा की ओर हमारे कदम का परिणाम है। हमारी पुरानी प्रणाली रटने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करती थी, जिससे छात्र एपीएससी और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार नहीं हो पाते थे। हम इसे ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। शर्मा ने असम के स्कूली बुनियादी ढांचे के व्यापक सुधार की योजना की भी रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसके तहत सरकार 4,000 उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का पुनरुद्धार करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रत्येक स्कूल को सुधार के लिए 8 करोड़ रुपए मिलेंगे, जिसमें शुरुआती तौर पर 500 स्कूलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 32,000 करोड़ रुपए होगी। भविष्य को देखते हुए, शर्मा ने प्रतिज्ञा की कि प्रत्येक वर्ष 200 नए स्कूलों का पुनरुद्धार किया जाएगा, जिसका लक्ष्य 2035 तक राज्य के शैक्षिक ढांचे को बदलना है।

आतंकियों ने धर्म ...

कहा कि देश इस जघन्य हमले से परेशान है और आरोप लगाया कि इसे धार्मिक मुद्दे के रूप में पेश करने की साजिश रची जा रही है। 22 अप्रैल मंगलवार को पहलगाम के बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। कई पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने कहा है कि आतंकवादियों ने सभी से उनका धर्म पूछा। जिन लोगों ने कहा कि वे हिंदू हैं, उन्हें गोली मार दी गई। वहीं भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने कर्नाटक के मंत्री की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस के मंत्री थिम्मापुर की बर्बर और दुष्ट टिप्पणी ने शोक संतप्त परिवारों की निष्ठा का अपमान किया है और पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित इस्लामी आतंकवादी हमले में मारे गए पीड़ितों के साहसी बलिदान को अपमानित किया है। राष्ट्रीय शोक की इस घड़ी में भी, सांप्रदायिक कांग्रेस पार्टी, जिसने अपनी आत्मा और विवेक को धार्मिक तुष्टिकरण की अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए गिरवी रख दिया है, वह झूठ बोल रही है। इसी बीच, सीएम सिद्धारमैया ने कहा है कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं करना चाहिए। मैंने केवल इतना कहा कि युद्ध समाधान नहीं है। पर्यटकों को सुरक्षा दी जानी चाहिए थी, है न? यह किसकी जिम्मेदारी है? मैंने कहा है कि विफलता हुई है।

जेएनयू : एबीवीपी के ...

सामने आ सकेगा। अब तक की हुई मतगणना में एबीवीपी ने 42 में से 23 काउंसलर पदों पर जीत हासिल कर ली है। सोशल साइंस डिवीजन को लेफ्ट संगठनों का कोर एरिया माना जाता था, लेकिन इस सेक्शन में भी एबीवीपी ने दो सीटों पर जीत हासिल कर लेफ्ट लॉबी में सेंध लगाने में सफलता हासिल कर ली है। सोशल साइंस सेक्टर में दो सीटों पर जीत इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि एबीवीपी को 25 साल बाद सोशल साइंस में जीत मिली है। इस जीत से एबीवीपी खेमा उत्साहित है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में विश्वविद्यालय के 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों में जीत हासिल की है। एबीवीपी के केंद्रीय पैनल की चारों प्रमुख दावेदार भी अब तक बढ़त बनाए हुए हैं। अध्यक्ष पद पर शिखा स्वराज, उपाध्यक्ष पद पर निट्टू गौतम, महासचिव पर कुणाल राय और संयुक्त सचिव पद के लिए वैभव मीणा बढ़त बनाए हुए हैं। इससे भगवा खेमा उत्साहित है। एबीवीपी जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने कहा कि जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर इतिहास रच दिया है।

तीन साल जेल...

सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि, सार्क वीजा रखने वालों के लिए भारत छोड़ने की समय-सीमा 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीजा रखने वालों के लिए समय-सीमा 29 अप्रैल है। जिन 12 श्रेणियों के वीजा धारकों को रविवार तक भारत छोड़ना है, वे हैं - आगमन पर वीजा, व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री। 4 अप्रैल को लागू हुए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम 2025 के अनुसार, निर्धारित समय से अधिक समय तक रहना, वीजा शर्तों का उल्लंघन करना या प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनाधिकार प्रवेश करने पर तीन साल की जेल और 3 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। अधिनियम में कहा गया है कि जो कोई भी, (क) विदेशी होते हुए, भारत के किसी क्षेत्र में उस अवधि से अधिक अवधि तक रहता है, जिसके लिए उसे वीजा जारी किया गया था या धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए वैध पासपोर्ट या अन्य वैध यात्रा दस्तावेज के बिना भारत में रहता है या भारत या उसके अंतर्गत किसी भाग में प्रवेश और रहने के लिए उसे जारी किए गए वैध वीजा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए कोई कार्य करता है। (ख) धारा 17 और 19 के अलावा इस अधिनियम के किसी अन्य प्रावधान का उल्लंघन करता है, या इसके अंतर्गत बनाए गए किसी नियम या आदेश या इस अधिनियम के अनुसरण में दिए गए किसी निर्देश या अनुदेश या ऐसे आदेश या अनुदेश या अनुदेश का उल्लंघन करता है, जिसके लिए इस अधिनियम के अंतर्गत कोई विशिष्ट दंड का प्रावधान नहीं है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास या तीन लाख रुपए तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन करके यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे।

हनीफ अब्बासी ने ...

कहां रखे हैं। मैं फिर से कहता हूं, ये बैलिस्टिक मिसाइलें, ये सभी आप पर लक्षित हैं। हनीफ अब्बासी की यह प्रतिक्रिया पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद आई है। आपको बता दें, भारत सरकार ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा भी भारत सरकार की ओर से कई कदम उठाए गए हैं। पाकिस्तान द्वारा भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने से होने वाली अव्यवस्था का जिक्र करते हुए, उन्होंने केवल दो दिनों में भारतीय विमानन क्षेत्र में मची अफरा-तफरी की ओर इशारा किया। अब्बासी ने कहा कि अगर चीजें अगले 10 दिनों तक इसी तरह जारी रहीं, तो भारत में एयरलाइंस दिवालिया हो जाएंगी। मंत्री ने भारत पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अपनी सुरक्षा विफलताओं को स्वीकार करने के बजाय पहलगाम आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान पर दोष मढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत द्वारा दोनों देशों के बीच व्यापार को निलंबित करने के निर्णय के बाद पाकिस्तान ने पहले से ही इसके परिणामों की तैयारी शुरू कर दी है, जिससे संकेत मिलता है कि इस्लामाबाद अपने खिलाफ उठाए गए किसी भी आर्थिक कदम का मुकाबला करने के लिए तैयार है।

केंद्र की स्वास्थ्य नीति...

से उपचार को अधिक प्रभावी और सटीक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैंसर न केवल मरीज को प्रभावित करता है, बल्कि उसके पूरे परिवार पर इसका असर पड़ता है। इस प्रणाली से एक मजबूत सहारा मिलेगा। मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि छत्रपति संभाजी नगर में इस प्रकार की अत्याधुनिक कैंसर उपचार सुविधा पहली बार राज्य स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि जीवनशैली में बदलाव के कारण कैंसर के मामले बढ़े हैं, और ट्रू बीम जैसे अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों के माध्यम से अब अत्यधिक लक्षित रेडिएशन उपचार संभव हो गया है। अब तक मरीजों को ऐसे उपचार के लिए टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल जाना पड़ता था, जहां अत्यधिक मरीजों के दबाव के कारण भारी बोझ था। अब छत्रपति संभाजी नगर में यह सेवा उपलब्ध होगी, जो मराठवाड़ा और आसपास के जिलों के कैंसर मरीजों के लिए एक वरदान साबित होगी। इस अवसर पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रिफ, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अतुल सावे, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबदास दानवे, राज्यसभा सांसद डॉ. भागवत कराड, सांसद सांदीपान भुमरे, मेडिकल शिक्षा सचिव धीरज कुमार, आयुक्त राजीव निवतकर, डीन डॉ. शिवाजी सुक्रे, राज्य कैंसर संस्थान के सलाहकार डॉ. कैलास शर्मा, विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अरविंद गायकवाड, निदेशक डॉ. अजय चंदनवाले उपस्थित थे।

देश सबसे अहम...

हूं कि उन्हें (प्रधानमंत्री को) सर्वदलीय बैठक में आना चाहिए था। उनका नहीं आना ठीक नहीं है... देश सबसे महत्वपूर्ण है, धर्म और भाषा बाद में आते हैं। इसलिए हम सभी को देश के लिए मिलकर लड़ना चाहिए। मैंने कई बार कहा है कि हम सरकार के साथ खड़े हुए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम समर्थन देंगे। इसका सही तरीके से उपयोग करें। यदि वे (केंद्र सरकार) सभी को विश्वस में लेकर चलेंगे तो आगे के कदम आसान होंगे। लेकिन एक-दूसरे की आलोचना करते रहना उचित नहीं होगा। खड़गे ने आगे कहा कि कुछ लोग पहले से ही आलोचना शुरू कर चुके हैं, जो सही नहीं है। बैठक में जो चर्चा हुई, उसे लेकर हमने अपनी बात रखी। कुछ लोग अलग-अलग अर्थ निकाल कर बोल रहे हैं, जो ठीक नहीं है... देशहित में बैठक में हुई हर बात सार्वजनिक नहीं की जा सकती। मैं रहूं या चला जाऊं, नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी रहें या न रहें, लेकिन देश रहेगा। इसलिए हम सभी को मिलकर देश के कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्र विरोधी कमेंट ...

करते हुए आज यानी 27 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। दधीचि डिंपल उर्फ डिंपल बोरा को गोलाघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया -ताहिब अली को तामुलपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया बिमल महतो को उदालगुड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक उपद्रवी तत्वों के खिलाफ कुल 16 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इससे पहले बीते शनिवार (26 अप्रैल) को शाम तक इस मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो, गिरफ्तार किए गए लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत भी मामला दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई समानता नहीं है, दोनों दुश्मन देश हैं और हमें ऐसे ही रहना चाहिए। उन्होंने साफ कहा है कि असम ऐसे किसी भी शख्स को बर्दाश्त नहीं करेगा जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करता है, या इस आतंकी हमले को सही ठहराने की कोशिश करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो कोई भी ऐसा रुख अपनाएगा उसे गिरफ्तार किया जाएगा और यदि जरूरत पड़ी तो उन पर एनएसए के प्रावधान लगाएंगे। सीएम ने कहा कि सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट की जांच की जा रही है, जिन लोगों ने भी राष्ट्र विरोधी पोस्ट किए हैं उन्हें फौरन गिरफ्तार किया जाएगा।

कनाडा में भीड़ ...

एक काली ऑडी एसयूवी अचानक तेज रफ्तार में भीड़ के बीच आ गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। 6 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने 30 साल के एक स्थानीय व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। अभी यह साफ नहीं है कि उसने यह जानबूझकर किया या कोई और वजह थी। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। वैंकूवर के मेयर केन सिम और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस घटना पर दुख जताया है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

विकसित भारत समाचार

तापमान
अधिकतम 27⁰ न्यूनतम 21⁰

गुवाहाटी/आसपास

सोमवार, 28 अप्रैल, 2025

कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार का मतलब कांग्रेस : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में 2 और 7 मई को होने वाले दो चरणों के पंचायत चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष, असम में चुनाव प्रचार में दिन-रात व्यस्त हैं। आज, असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने लखीमपुर जिले के नावबैसा विधानसभा क्षेत्र के माध्या तेलाही और बिहपुरिया में दो विशाल चुनावी रैलियों को संबोधित किया। अपने भाषण में सैकिया ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने पूरे ग्रामीण समाज को लूटा। गरीब परिवारों को सरकारी आवास लाभ प्राप्त करने के लिए 10,000 से 20,000 रुपए रिश्वत देने पड़ते थे और कई बार उन्हें अपने बकरियों, गायों और मुर्गियों तक को बेचने की नौबत आती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी ग्रामीण लोगों से सरकारी योजनाओं के नाम पर पैसे निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यही कारण है कि कांग्रेस

का मतलब भ्रष्टाचार है, और भ्रष्टाचार का मतलब कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने पंचायती राज प्रणाली से भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया है। ग्रामीण स्व-शासन को स्थापित करने के लिए पंचायत अधिनियम में संशोधन कर पंचायातों को और अधिक अधिकार दिए गए हैं। 2021 से हमारी सरकार ने 20 लाख परिवारों को सरकारी आवास प्रदान किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का व्यापक रूप से विकास हुआ है, जिससे कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है। जल जीवन मिशन के तहत अब प्रत्येक घर में पाइप से पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है। उचित लाभार्थी चयन सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए, आगामी पंचायत चुनावों के लिए, भारतीय जनता पार्टी एनडीए के ध्वज तले सेवा की प्रतिबद्धता के साथ चुनाव लड़ रही है। राज्य अध्यक्ष ने जनता से आशीर्वाद और समर्थन की अपील की, ताकि डबल इंजन सरकार के कार्यों को तेज किया जा सके और पंचायती राज व्यवस्था को और सशक्त किया जा सके। इस बीच, लखीमपुर जिले में भाजपा और एनडीए के पक्ष में जनता का जोश और उत्साह स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है और हर विधानसभा क्षेत्र में प्रचार तेजी से चल रहा है। आज के चुनावी कार्यक्रम में सांसद रंजीत दत्ता, लखीमपुर जिला भाजपा अध्यक्ष श्यामल शर्मा, विधायक अमिय कुमार भुइयां, मंडल अध्यक्षों और वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

पाकिस्तान का समर्थन कर गिरफ्तार सामागुड़ी का युवक

नगांव (हिंस)। पाकिस्तान के समर्थन में विवादास्पद टिप्पणी करने के आरोप में सामागुड़ी के एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान सामागुड़ी के पेनाइबजार निवासी मासूम अजहर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, 23 वर्षीय मासूम अजहर ने सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के पक्ष में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद खाटुवाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। नगांव पुलिस ने मासूम के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से तफ्तीश कर रही है। उल्लेखनीय है कि इस सिलसिले में इससे पहले असम में छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने शख्स हिदायत दी है कि जो भी व्यक्ति पाकिस्तान का समर्थन करेगा उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

डिब्रूगढ़ में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने दो फ्लाईओवरों का किया उद्घाटन

डिब्रूगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज डिब्रूगढ़ में डॉ. लीला गोगोई फ्लाईओवरों और बाग्मीबर नीलमणि फुकन फ्लाईओवरों का उद्घाटन किया। लगभग 117 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इन फ्लाईओवरों के माध्यम से शहरवासियों को सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और ट्रैफिक जाम में भी कमी आएगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *परिवहन के माध्यम से परिवर्तन* के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर डिब्रूगढ़ की सड़क संपर्क व्यवस्था को एक नई गति दी गई है। आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ मिलकर डॉ. लीला गोगोई और बाग्मीबर नीलमणि फुकन के नाम पर बने इन दो फ्लाईओवरों को जनता को समर्पित करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सदिच्छा, दूरदर्शिता और ईमानदारी के चलते पिछले एक दशक में पूरे पूर्वोत्तर

और डिब्रूगढ़ में समग्र विकास, समृद्धि और स्थायी शांति का वातावरण बना है। बीते माह डिब्रूगढ़ से अफस्पा हटाकर केंद्र सरकार ने प्रगति और शांति का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मजबूत नेतृत्व में असम में सड़क संपर्क के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। डिब्रूगढ़ में मुख्यमंत्री सचिवालय की स्थापना से ऊपरी असम के कई जिलों के लोगों को सरकारी सेवाएं शीघ्रता से मिल रही हैं। डिब्रूगढ़ को असम की दूसरी राजधानी बनाने की दिशा में उठाया गया यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि इन फ्लाईओवरों का नाम असम के दो महान साहित्यकारों के नाम पर रखकर उन्हें सम्मानित किया गया है। यह पहल हमारे भाषा-संस्कृति और कला क्षेत्र के महापुरुषों के योगदान को चिरस्थायी बनाने का सराहनीय प्रयास है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में आई शांति और प्रगति की प्रेरणा से हम सबको एकजुट होकर विकास की राह पर आगे बढ़ना चाहिए।

देशद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई जारी, अब तक 16 गिरफ्तार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार दोपहर 12 बजे तक देशद्रोहियों के खिलाफ जारी कार्रवाई का अपडेट साझा किया। जानकारी के अनुसार, गोलाघाट पुलिस ने दधीचि डिंपल उर्फ डिंपल बोरा को गिरफ्तार किया है। वहीं, तामुलपुर पुलिस ने ताहिब अली और उदालगुड़ी पुलिस ने बिमल महतो को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, अब तक कुल 16 देशविरोधी तत्वों को गिरफ्तार किया जा चुका है। असम सरकार ने राज्य में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह सख्त अभियान चलाया है।

प्रधानमंत्री के *मन की बात* कार्यक्रम में राज्य भाजपा ने दिखाई राज्यव्यापी सहभागिता

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम *मन की बात* के 121वें संस्करण में पूरे राज्य में जबरदस्त उत्साही सहभागिता दर्ज की। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि, बागवानी, वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष अन्वेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश की शानदार प्रगति का उल्लेख करते हुए न्यू इंडिया के गतिशील परिवर्तन की प्रेरणादायक तस्वीर प्रस्तुत की। भाजपा राज्य मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक बयान के अनुसार, असम के सभी 39 सांगठनिक जिलों के तहत 433 मंडलों के 29,565 बूथों पर लाखों कार्यकर्ताओं ने *मन की बात* कार्यक्रम को श्रद्धापूर्वक सुना। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद

सोनोवाल व पवित्र मार्घेरिटा, राष्ट्रीय सचिव कामाख्या प्रसाद तासा सहित मंत्री परिषद के सदस्य, सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ पदाधिकारी और बूथ स्तर के कार्यकर्ता अपने-अपने निर्धारित बूथों पर एकत्रित होकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने में सहभागी बने। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन जिला के विमान कुठ मंडल के बूथ नंबर 139 पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने शिवसागर जिले के बूथ नंबर 182 से, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ मध्य मंडल के बूथ नंबर 179 से और केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने गुवाहाटी के शुक्लेश्वर मंडल के वार्ड नंबर 29 के अंतर्गत बूथ नंबर 183 से कार्यक्रम में भागीदारी की, जहां गुवाहाटी के महापौर मृगेन शरणिया भी उनके साथ मौजूद रहे। भाजपा असम प्रदेश ने जोर देते हुए कहा कि *मन की बात* के दौरान हुए व्यापक जमीनी स्तर के जुड़ाव से पार्टी की मजबूत सांगठनिक संरचना और जनता के साथ उसके स्थायी संबंधों का प्रमाण मिलता है। इस विशाल राज्यव्यापी आयोजन ने यह दर्शाया कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को जनता के बीच गहरी स्वीकृति मिल रही है और भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रीय विकास के संदेश को बूथ स्तर तक ले जाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

पहलगाम घटना पर पोस्ट कछार पुलिस ने अधिवक्ता को किया गिरफ्तार

कछार (हिंस)। पहलगाम घटना से संबंधित आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ कछार पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को कोमर उद्दीन चौधरी (32) को गिरफ्तार किया गया है। कछार पुलिस अधीक्षक नोर्मल महत्ता ने आज बताया है कि कोमर उद्दीन चौधरी पेशे से अधिवक्ता हैं और उनके खिलाफ काटिगोरा थाना केस संख्या 37/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 196(2)/299/302/353(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की गहन जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में अबतक कुल आठ लोग असम में गिरफ्तार हो चुके हैं।

खैराबाड़ी में द *मंगोलियम फोरम ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया* की समिति का गठन

रंगिया (विभास)। असम के बृहत्तर भूमिपुत्र तथा खिलंजिया जनगोष्ठी के सर्वत्र विकास तथा इसके साहित्य, संस्कृति, भाषा और खेल को पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से शनिवार को एक समिति का गठन किया गया। खेराबाड़ी के परिदर्शक बंगले में आयोजित एक विशेष कार्यकारिणी बैठक में द *मंगोलियम फोरम ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया* नामक 21 व्यक्तियों की एक पूर्णांग समिति गठित की गई। बैठक में कार्बी आंग्लांग, उदालगुड़ी, मेघालय, नगांव आदि से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं अध्यक्ष प्रताप बर्मन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक की शुरुआत में उन्होंने कश्मीर के पहलगाम में हुई निर्मम घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसके लिए मौन प्रार्थना की गई।

प्रथम बटालियन एनडीआरएफ की 18 टीमों का मोबिलाइजेशन अभ्यास सम्पन्न

गुवाहाटी (हिंस)। एनडीआरएफ मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार प्रथम बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बाढ़ के समय बचाव अभियानों पर केंद्रित 18 टीमों का मोबिलाइजेशन ड्रिल 26 से 27 अप्रैल तक आयोजित किया। एचपीएस कंडारी, कमांडेंट, प्रथम बटालियन की निगरानी में हुए इस अभ्यास में महिला बचाव दलों और श्वान दस्तों सहित 550 से अधिक कार्मिकों ने भाग लिया। ड्रिल के दौरान टीमों को निर्धारित समय सीमा के भीतर असम, त्रिपुरा और मिजोरम के विभिन्न जिलों में तैनात किया गया। अभ्यास स्थल मिनी स्टेडियम सोनापुर (जिला कामरूप मेट्रो, असम), गोमती नदी का तट (जिला गोमती, त्रिपुरा) और गांव चुंगतलांग (जिला ममित, मिजोरम) रहे। अभ्यास का उद्देश्य आगामी मानसून सीजन के लिए तैयारियों को मजबूत करना था। इस दौरान बाढ़ के समय तेजी से खोज और बचाव अभियानों, प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने और अस्पताल पहुंचने से पहले प्राथमिक उपचार पर ध्यान केंद्रित किया गया। ड्रिल के दौरान बाढ़, भूस्खलन और भूकंप जैसी विविध आपात स्थितियों में एनडीआरएफ टीमों की परिचालन क्षमता, प्रतिक्रिया दक्षता और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का मूल्यांकन किया गया। पूर्वोत्तर भारत में आपदा प्रतिक्रिया के अग्रिम मोर्चे पर रही एनडीआरएफ की पहली बटालियन ने इस अभ्यास के माध्यम से अपनी तत्परता और जीवन तथा आजीविका की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट किया।

इस पंचायत चुनाव में जनता बरदैचिला कांग्रेस और विपक्ष को परास्त कर देगा : सर्बानंद सोनोवाल

तिनसुकिया। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने माकुम के गेलापुखुरी और तिनसुकिया के बहादुर चरियाली बिहुटोली में विशाल चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए भाजपा नीत गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए व्यापक प्रचार किया। सोनोवाल ने कहा कि एनडीए का मतलब समग्र प्रगति और समृद्धि है, इसलिए लोग दिल खोलकर आशीर्वाद दे रहे हैं। आज माकुम के गेलापुखुरी में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करते हुए, मैंने एनडीए के पक्ष में बह रही चुनावी हवा को दृढ़ता से महसूस किया। लोगों को संबोधित करते हुए डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से सांसद सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि जब लोगों ने नरेंद्र मोदी जी पर अपना विश्वास, भरोसा और प्यार जताया, तो उन्हें पता था कि बदलाव अपरिहार्य था। 2014 से अभूतपूर्व विकास और जीवन की बेहतर गुणवत्ता के साथ, भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए एनडीए के पक्ष में सभी वर्गों के लोगों के उस प्यार, भरोसे और विश्वास को और मजबूत करने में सक्षम रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, पंचायतें एक बार फिर राष्ट्रीय विकास के नए इंजन बनने के लिए तैयार हैं।

आज, गांव और चाय बागान क्षेत्र विकास और समृद्धि के आनंद में डूबे हुए हैं। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करके, जमीनी स्तर से *आत्मनिर्भर भारत* के निर्माण की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी दृष्टि को सभी वर्गों के लोग अपना रहे हैं और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के पीछे मजबूती से जुट रहे हैं। मैं लोगों से विनम्र अपील करता हूं- भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवारों को चुनने से विकास के एक नए पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त होगा। लोगों से पूरे दिल से समर्थन मांगते हुए सोनोवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के कल्याणकारी उपाय और समृद्धि अभियान गांवों को उज्ज्वल और शानदार भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आगे कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं ने वास्तव में सभी वर्गों के लोगों को लाभान्वित किया है। इसके विपरीत, हमें कांग्रेस से पूछना चाहिए कि 55 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी वे देश की बुनियादी समस्याओं को हल करने में विफल क्यों रहे? *गरीबी हटाओ* के नारे के साथ बार-बार वोट मांगने के बावजूद, कांग्रेस के नेता और मंत्री कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन से अपने स्वयं के खजाने को समृद्ध करते दिखे। चाय बागान श्रमिकों के वोटों पर सत्ता की सीढ़ी चढ़ने वाले इन नेताओं ने काली सड़क बनाने, मॉडल स्कूल स्थापित करने या चाय समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने का भी प्रयास नहीं किया। कांग्रेस सरकार बिजली और एलपीजी गैस जैसी बुनियादी सुविधाएं देने में भी विफल रही और गरीबों का दर्द नहीं समझ सकी।

होजाई : मारवाड़ी पंचायती ने पहलगांव हमले की कड़े शब्दों में की निंदा

होजाई (निसं)। जजम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों की आत्म की शांति हेतु मारवाड़ी पंचायती, होजाई के बैनरतले आज स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने 1 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के सद्गति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए इस दुख की घड़ी में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर से कहा कि इस कायरता पूर्ण हमले की जितनी निंदा की जाए अपने आप में कम है एवं सरकार से मांग की है कि ऐसे आंतकवादीयो के विरुद्ध कठोर कदम उठाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना ना हो।

पहलगाम मे आतंकी हमले में मारे गए लोगों को नगांव में दी गई श्रद्धांजलि

नगांव (निसं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों की याद में विप्र फाउंडेशन के बैनर तले शहर की धर्मशाला पट्टी स्थित श्री हनुमान मंदिर के समीप एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन समाजसेवी और पंडित श्री शिवकुमार दाधीच और समाजसेवी सज्जन गुजरानी द्वारा किया गया। इसके साथ ही मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा, नगांव राजस्थानी युवक संघ, मारवाडी युवा मंच नगांव शाखा, अग्रवाल सभा, नगांव जिला माहेश्वरी सभा, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, श्री श्याम सेवा समिति, दाधीच परिषद, पारीक सभा, गौड़ सभा, जय अंबे सत्संग समिति, लायंस क्लब आफ नगांव ग्रेटर सहित बड़ी संख्या में समाज की विभिन्न

संस्थाओं के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने नम आंखों से इस हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। सभा को संबोधित करते हुए समाजसेवी अनिल शर्मा ने कहा कि इस कायरतापूर्ण हमले का जवाब कड़ाई से दिया जाना चाहिए और इसमें शामिल दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसके साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने कड़े शब्दों में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि उसका मुंह तोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। मारवाड़ी समाज की विभिन्न संस्थाओं के साथ अन्य समाज के लोगों ने भी मारे गए पर्यटकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्वनाथ के दिरिंग चाय बागान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

205 रोगियों की नि:शुल्क औषधि प्रदान

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ के सुदर्शन सेवा संस्कृति न्यास के विशेष पहल तथा चारु होमियो विशेष सहयोग से आज विश्वनाथ जिले के अति पीछड़े जगह दिरिंग चाय बागान 1 नंबर पथ के शिव मंदिर प्रांगण में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर तथा दवाईयां वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुचिकित्सक सरजीत दास की टीम ने इस शिविर में भाग लिया, जिनमें उनके सहयोगी संजीव दहाल और शिक्षक संतोष कुमार महतो शामिल थे। 205 से अधिक बच्चा, युवा और वयस्कों की शिविर में स्वास्थ्य जांच की गई और मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा और औषधि सेवाएं प्रदान की गई। डॉ. सरजीत दास ने सेवा शिविर का उद्घाटन किया। सुदर्शन सेवा संस्कृति न्यास के सदस्य व सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास ने स्थानीय लोगों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों और वयस्कों को नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना था, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। इस मौके स्थानीय युवा सदानंद तांति और अतुल महानंद ने इस शिविर में सहयोग की।

बंगाईगांव में मारवाड़ी सम्मेलन की शाखाओं के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन

बंगाईगांव। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बगाईगांव शाखा एवं महिला शाखा का सत्र 2025-27 के लिए शपथ विधि समारोह का शनिवार को तेरापंथ भवन में भव्य आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन से प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) विनोद कुमार जी लोहिया, प्रांतीय महामंत्री रमेश जी चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज कुमारजी काला, मंडल ज की मंडलीय सहायक मंत्री इस्मिता धिरासरिया के अलावा गोसाईगांव एवं बरपेटा शाखा के सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभा में समाज से दिवंगत व्यक्तियों के प्रति तथा कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों के प्रति 1 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का एवं समारोह में उपस्थित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बंधुओं का भी राजस्थानी चुनरी औढ़ा कर सम्मान किया गया?। उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं असम के जातीय संगीत के साथ सभा का शुभारंभ किया गया। महिला शाखा की मातृशक्ति द्वारा हृदय स्पर्शी स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने करते हुए स्वागत एवं अध्यक्षीय भाषण दिया। महेश कुमार अग्रवाल के सफल संचालन में चले शपथ विधि समारोह के मुख्य कार्यक्रम शपथ ग्रहण में सर्वप्रथम विनोद कुमार लोहिया ने सत्र 2025-27 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कुमार सुराणा, सचिव राज कुमार कोठारी तथा महिला शाखा की अध्यक्षा मंजू दूगड़, सचिव चंदा भंसाली को शपथ पाठ करवाया। तत्पश्चात रमेश जी चांडक ने दोनों शाखाओं के पदाधिकारीयों का शपथ पाठ करवाया। मनोज कुमारजी काला ने महिला शाखा के कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ पाठ एवं राजेंद्र जी

हरलालका ने पुरुष शाखा के कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। स्मिता धिरासरिया ने सम्मेलन के नए सदस्यों को शपथ पाठ कराया। मारवाड़ी सम्मेलन में प्रकाश बैद, राजेश अग्रवाला, मनोज कुमार सरावगी को उपाध्यक्ष, ब्रह्म शर्मा, मनीष लखोटिया को सह-सचिव, रोहित कुमार जैन को कोषाध्यक्ष, गोपाल हरलालका को प्रचार प्रसार सचिव, मनोज हरलालका, राम अवतार पारीक, दीपेश सुरेका को संगठन एवं समाज सेवा, महेश कुमार अग्रवाल, आनंद शर्मा, उमेद बांठिया को सांस्कृतिक व स्थाई प्रकल्प का दायित्व, प्रदीप कुमार बैद को सदस्यता विस्तार का दायित्व सोपा गया है। जबकि महिला शाखा में सरिता सुरेका, अरुणा सामसुखा, सरोज अग्रवाल को उपाध्यक्ष, अनीता अग्रवाल,अर्चना सुरेका को सह-सचिव, हीरा देवी बैद को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। ज्ञात हो कि दोनों शाखाओं में समाज के गणमान्य सदस्यों को लेकर एक संतुलित कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिसमें समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों को कार्यकारिणी सदस्यों तथा सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। सम्मेलन के नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष अनिल कुमार सुराणा ने अपने संबोधन में तकनीकी शिक्षा से लेस युवा वर्ग को संगठन के कार्य में सक्रियता के साथ जोड़ने का आह्वान किया। समाज में फैली कुरीतियां को कम करने का जिक्र करते हुए उन्होंने महिला शक्ति को नेतृत्व, स्वरोजगार, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की वकालत की।

संपादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि –'हमारे नाम पर नहीं।' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निःस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए।

कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दु:खी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है? पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने

कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया। पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था।

दृष्टि कोण

गणित के अनंत दीप की अमर धरोहर

जब संख्याएं गूंज उठती हैं और समीकरण आत्मा के साथ नृत्य करते हैं, तब एक नाम सृष्टि के कण-कण में बस जाता है—श्रीनिवास रामानुजन। 26 अप्रैल, 1920, वह काला दिन जब भारत की धरती ने अपने इस अनमोल रत्न को खो दिया, पर उनकी गणितीय चेतना ने अनंत काल के लिए विश्व को रोशन कर दिया। यह पुण्यतिथि नहीं, एक महान तपस्वी की साधना का उत्सव है, जिसने गणित को न केवल विज्ञान, बल्कि काव्य, दर्शन और ईश्वर से जोड़ दिया। रामानुजन कोई साधारण गणितज्ञ नहीं थे; वे थे संख्याओं के संत, सूत्रों के साधक, और ब्रह्मांड के रहस्यों के द्रष्टा। तमिलनाडु के छोटे से शहर इरोड में 22 दिसंबर, 1887 को जन्मे रामानुजन का जीवन किसी परीकथा से कम नहीं। एक साधारण ब्राह्मण परिवार, आर्थिक तंगी और औपचारिक शिक्षा का अभाव— ये सब उनके सामने दीवारें थीं, पर उनकी प्रतिभा ऐसी तूफानी लहर थी जो हर बाधा को चूर कर देती थी। बचपन से ही संख्याएं उनकी सखी थीं, उनके सपने थीं। जहां बच्चे मिट्टी के खिलौनों में खोए रहते, वहीं रामानुजन संख्याओं के जादुई संसार में गोते लगाते। स्कूल की किताबें उनके लिए छोटी पड़ गईं; उन्होंने स्वयं गणित के गहन समुद्र में डुबकी लगाई। 15 वर्ष की उम्र में जब उनके हाथ जी.एस. कार की 'ए सिनॉप्सिस ऑफ एलिमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर मैथमैटिक्स' लगी, तो यह उनके लिए किसी वेद की तरह थी। इस किताब ने उनकी प्रतिभा को पंख दिए और उनकी नोटबुक्स में सूत्रों का अमृत उमड़ने लगा। रामानुजन का गणित केवल गणनाओं का खेल नहीं था; वह एक आध्यात्मिक यात्रा थी। उनकी कुलदेवी नमगिरी उनके लिए प्रेरणा की स्रोत थीं। वे कहते थे, 'हर सूत्र जो मेरे मन में आता है, वह देवी की कृपा है।' उनके लिए गणित और ईश्वर एक ही सत्य के दो रूप थे। उनकी रचनाएं— चाहे वह अनंत शृंखलाएं हों, निरंतर भिन्न हों, या विभाजन फलन — मानो ब्रह्मांड की गूढ़ भाषा में लिखी गई कविताएं थीं। उनकी पाई (π) की गणना के लिए दी गई शृंखलाएं इतनी सुंदर और सटीक थीं कि आज भी सुपरकंप्यूटर उनकी मदद लेते हैं। रामानुजन का विभाजन फलन, जो यह बताता है कि किसी संख्या को कितने तरीकों से छोटी संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है, गणित में क्रांति ला गया। उनके थीटा फलन और मॉड्यूलर समीकरणों ने आधुनिक भौतिकी, क्रिप्टोग्राफी, और ब्लैक होल सिद्धांत तक में अपनी जगह बनाई। रामानुजन की प्रतिभा तब विश्व के सामने आई, जब उन्होंने 1913 में कैम्ब्रिज के प्रख्यात गणितज्ञ जी.एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में दर्जनों सूत्र थे, जिन्हें देख हार्डी स्तब्ध रह गए। पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई स्वशिक्षित भारतीय इतने गहन और मौलिक सूत्र लिख सकता है। हार्डी ने कहा, 'रामानुजन का गणित मानव मस्तिष्क से परे है; यह ईश्वर की प्रेरणा है।' रामानुजन को कैम्ब्रिज बुलाया गया, और वहां हार्डी के साथ उनकी जोड़ी ने गणित की दुनिया में तहलका मचा दिया। हार्डी-रामानुजन फॉर्मूला, जो प्राइम नंबर्स की गणना से संबंधित है, और उनकी संयुक्त शोध पत्रिकाएं आज भी गणित के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हैं। रामानुजन की नोटबुक्स उनकी सबसे बड़ी विरासत हैं। इनमें हजारों सूत्र और प्रमेय हैं, जिनमें से कई को समझने में गणितज्ञों को दशकों लग गए। उनकी मॉक थीटा फलन, जिन्हें उन्होंने मृत्युशैया पर लिखा, गणित का एक ऐसा रहस्य है जिसे 21वीं सदी में पूरी तरह समझा गया। ये फलन आज क्वांटम भौतिकी और स्ट्रिंग सिद्धांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी रीमान जेटा फलन से संबंधित खोजें आज भी गणित के सबसे बड़े अनसुलझे सवालों में से एक, रीमान हाइपोथेसिस, को समझने में मदद करती हैं। कैम्ब्रिज में उन्हें न केवल सांस्कृतिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, बल्कि उनकी शाकाहारी जीवनशैली और इंग्लैंड की ठंडी जलवायु ने उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया।

कुछ अलग

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलतः लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा। समय की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए। साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या का वास्तविक निस्तारण करने वाले होने चाहिए।

देश दुनीया से

पाकिस्तान को कड़ा सबक देना जरूरी है

आतंकी देश कभी सुधरने वाला नहीं है, इसलिए इस देश को सबक सिखाना जरूरी है। आने वाले दिनों में आतंकवाद के फन को और अधिक सख्ती से वुचलने की जरूरत है वहीं सुरक्षा बलों को अधिक मुस्तैद होने की आवश्यकता है। पाकिस्तान को कड़ा सबक देना जरूरी है जिस तरह पहलगाम में अपने देश में अपनी ही धरती पर हमारे छिपे गद्दारों की मदद से निदरेष हिन्दू पर्यंटकों का धरमिक पहचान के बाद बहशियाना नरसंहार किया गया है वह अक्षम्य है। अपनी दशकों पुरानी छदम युद्ध की हरकतों से बाज नहीं आ रहे आतंकी देश पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने जिस प्रकार से कड़े कदम उठाए हैं, इसकी जरूरत काफी पहले से ही महसूस की जा रही थी। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा यह देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-चार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यंटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस प्रंट ने ली है। इसका प्रमुख सैपुल्लाह रावलकोट का रहने वाला है और खुफिया एजेंसियों को इसमें कोईं दो राय नहीं है कि इस हमले में पाकिस्तान का हाथ है। यही कारण है कि अब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कईं कड़े कदम उठाए हैं। आप को बता दें कि भारत ने एक तरफ से पाकिस्तान को वूटनीतिक स्ट्राइक किया है, जिसका पाकिस्तान पर काफी गंभीर असर पड़ेगा और पहले से ही वंगाल पाकिस्तान और वंगाली के तरफ बभ़ारत ने सबसे बड़ा कदम उठाते हुए सिधु जल समझौता स्थगित कर दिया है, वो भी तब तक जब तक कि पाकिस्तान आतंकवाद से तौबा न कर ले। नदियों के जल बंटवारे के लिए भारत और पाकिस्तान ने सिधु जल संधि 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्था में की थी। इस सौंध पर कराची में 19 सितंबर 1960 को भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपत्ति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। 1960 में हुए सिधु जल समझौते के बाद से भारत और पाकिस्तान में कश्मीर मुद्दे को लेकर तनाव बना हुआ है। हर प्रकार के असहमति और विवादों का निपटारा संधि के चे के भीतर प्रदत्त कानूनी प्रव्रियाओं के माध्यम से किया गया है। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच कईं युद्ध होने के बाद भी बना हुआ था। मगर जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगा है, तो भारत ने कदम उठाया है। यही कारण है कि देश के इस कदम को कईं एक्सपर्ट पहले बाटर युद्ध की शुरुआत बता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सिधु जल समझौता भारत के लिए एक गलती की तरह से है। इस समझौते से पाकिस्तान को 6 नदियों का ज्यादातर पानी मिल गया। उन्होंने बताया कि साल 2016 में पीएम मोदी ने उरी आतंकी हमले के बाद कहा था कि 'खून और पानी एक साथ नहीं यह सकते हैं। मोदी सरकार को यह सिधु जल समझौता सस्पेंड करने का पैसला लेने में 8 साल लग गया। दरअसल ब्रिटिश शासन में दक्षिण पंजाब में सिधु नदी घाटी पर एक बड़ी नहर बनाईं गईं थी। इसके चलते इस क्षेत्र के किसानों को बहुत फायदा हुआ और यह एक प्रमुख वृषि क्षेत्र बनकर उभरा। 1947 में भारत के बंटवारे के बाद पंजाब भी दो हिस्सों में विभाजित हो गया। पूवा पंजाब भारत में आया, जबकि पामि पंजाब पाकिस्तान में चला गया। इसके दौरान सिधु नदी घाटी और इसकी नहरों का भी बंटवारा किया गया। इससे मिलने वाले जल के लिए पाकिस्तान पूरी तरह भारत पर निर्भर था। पानी के प्रवाह को बनाए रखने के उद्देश्य से 20 दिसंबर 1947 को पूवा और पामि पंजाब के चीफ इंजीनियरों के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें तय हुआ कि देश के विभाजन से पहले निर्धारित निाति जल का हिस्सा भारत 31 मार्च 1948 तक पाकिस्तान को देता रहेगा। समझौता खत्म होने के बाद भारत ने 1 अप्रैल 1948 को दो नहरों का पानी रोक दिया, जिससे पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब में लाखों एकड़ वृषि भूमि के लिए सिचाईं जल मिलना काफी मुश्किल हो गया। हालांकि, दोनों देशों के बीच बाद में हुए समझौते के बाद भारत पानी छोड़ने पर सहमत हो गया। संधि के अनुसार भारत को पूवा नदियों राबी, ब्यास और सतलुज का पानी मिलता है, जबकि पाकिस्तान को पामि नदियों सिधु, झेलम और चिनाब का पानी मिलता है। यह संधि पाकिस्तान के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इन नदियों से वुल जल प्रवाह का लगभग 80 प्रतिशत उसे प्राप्त होता है, जो पाकिस्तान में विशेष रूप से पंजाब और सिध प्रांतों में वृषि के लिए महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत खेती योग्य भूमि यानी लगभग 16 मिलियन हेक्टेयर सिधु नदी प्रणाली के पानी पर निर्भर है। इस पानी का 93 प्रतिशत हिस्सा सिचाईं के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो देश की वृषि के लिए मुफीद है। सिधु जल संधि 237 मिलियन से अधिक लोगों का भरण-पोषण करती है, जिसमें पाकिस्तान की सिधु बेसिन की आबादी का 61 प्रतिशत हिस्सा है। यही कारण है कि इस समझौते से पीछे हटने के बाद पाकिस्तान बौखला गया है और भारत को धमकी दे रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने एक मईं से अटारी बॉर्डर बंद करने का ऐलान किया है। जो लोग वैध तरीके के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मईं 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं। अठारी वाघा सीमा भारत और पाकिस्तान के बीच सड़क मार्ग से होने वाले व्यापार का प्रमुख वेंद्र है। 2019 में भारत द्वारा पाकिस्तान को मोस्ट पेवर्ड नेशन का दर्जा वापस लेने और व्यापारिक रिश्तों में कटौती के बाद भी वुछ वस्तुओं ताजे फल, सीमेंट और टमाटर का आयात-निर्यात इस सीमा के जरिए होता रहा है। इस चेकपोस्ट के बंद होने से पाकिस्तान को भारत से टमाटर, चीनी, चाय और अन्य आवश्यक वस्तुओं का आयात प्रभावित होगा, जिससे वहां इन वस्तुओं की कीमतें बड़ सकती हैं। भारत ने नईं दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को 'व्यक्ति गैर- वांछित' घोषित किया गया है और उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। दोनों उच्चायोगों से सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारियों को भी वापस बुलाया जाएगा। इसका असर होगा कि पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती होगी। उस पर आतंकवादी देश होने का तमगा और मजबूत होगा। हर देश उससे दूरी बनाकर रखना चाहेगा और उसके नागरिकों को दूसरे देशों में आतंकवादी होने के शक में वीजा लेने में दिक्कत होगी, जो दूसरे देशों में रह रहे हैं, उन्हें भी संदेह की नजरों से देखा जाएगा। पाकिस्तान में कोईं निवेश नहीं करना चाहेगा। भारत में स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के कर्मचारियों की वुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर दिया जाएगा। ये 01 मईं 2025 तक किया जाना है।

आप का नजरीया

पहलगाम के बाद

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के नक्शे से मिट जाएगा आतंकवाद : गौरव गौतम

पलवल (हिंस)। हरियाणा सरकार में युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने रविवार को एमडी पब्लिक स्कूल हरीनगर पलवल में पार्टी कार्यकर्ताओं व आमजन से साथ भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक कार्यक्रम *मन की बात* को सुना। प्रधानमंत्री ने *मन की बात* कार्यक्रम की शुरुआत में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम में हुए इस हमले से मन में गहरी पीड़ा है। उन्होंने कहा कि मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर से कठोर जवाब दिया जाएगा। खेल मंत्री गौरव गौतम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा भारत देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और 140 करोड़ भारतीय आतंकवाद का जड़ मूल से सफाया करने की लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र के साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमले के पीड़ितों को न्याय अवश्य मिलेगा। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दर्शाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी। देश और जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। उन्होंने कहा कि आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया। आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है। हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद का नामोनिशान देश के नक्शे से मिट जाएगा। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि *मन की बात* पूरे देश और जनता का कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और दुनिया के कोने-कोने से प्रेरणादायक बातें साझा करते हैं, जो सभी को उत्साहित और प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि वे हर महीने के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का *मन की बात* कार्यक्रम अवश्य सुनते हैं, जिससे उन्हें प्रेरणा और ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि सुनने के लिए हर किसी में उत्साह रहता है।

भारत में अंतिम सांस गिन रहा इस्लामिक आतंकवाद : केशव प्रसाद मौर्य

भदोही (हिंस)। भदोही में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू पारस नाथ मौर्य की जन्म शताब्दी वर्ष पर जहां उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। वहीं दूसरी तरफ 6888.24 लाख रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया और समाजवादी पार्टी पर उन्होंने जमकर हमला किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रतिमा का अनावरण करने के बाद जंगीगंज के किशुनदेवपुर में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाई और विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का पीडीए फर्जी है। यह परिवारवाद को बढ़ावा देने वाला और गुंडे व भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने वाला गठबंधन है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जब तक पहलगाम के आतंकियों को उनके अंजाम तक नहीं पहुंचा दिया जाता, तब तक स्वागत और सत्कार अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है। नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है और इस्लामिक आतंकवाद भी अब अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निर्दोष पर्यटकों की हत्या का बदला उसी प्रकार लिया जाएगा, जैसे पहले एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये लिया गया था। उपमुख्यमंत्री मौर्य सरकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार

गरीबों, किसानों और नौजवानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित कई योजनाओं की सफलता का बखान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। जनसभा के दौरान स्थानीय नेताओं द्वारा डीघ विकास खंड का नाम सीतामढ़ी किए जाने की मांग की गई जिस पर उपमुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी भदोही को प्रस्ताव बनाने का निर्देश दिया।

आतंकवाद के विरुद्ध गूंजे कवियों के स्वर, बोले

आतंकवाद से पहले गद्दारों को संवारो

फतेहाबाद (हिंस)। पिछले दिनों कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के प्रति संवेदना प्रकट करने, उन्हें काव्य रूप से श्रद्धांजली देने तथा दुराचारी आतंकवादियों के विरोध में सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल, बीघड़ रोड फतेहाबाद में रविवार को काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय के डीएम तथा शिक्षाविद् सर्वजीत मान की अध्ययक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान थे तथा मंच संचालन शिक्षक व कवि डॉ. सुदामा शास्त्री ने किया। कविता पाठ से पहले आतंकवाद का शिकार हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। काव्य पाठ करते समय कवियों में आतंकवादियों, पाकिस्तान तथा भारत विरोधी गद्दारों के खिलाफ गुस्सा साफ झलक रहा था। कवि गोष्ठी की शुरूआत युवा कवि व हिन्दी के प्राध्यापक देवेन्द्र कुमार *अशंक* ने उग्रवादियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए की। उन्होंने देश के गद्दारों के प्रति कहा कि *आतंकवाद से पहले गद्दारों को संवारो, जल रोको जल्लादों का, गोली के बदले गोले दागो।* जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जींद के जिला सलाहाकार व कवि रणधीर मताना ने अपनी कविता के माध्यम से आह्वान किया कि *उठो धरा के वीर जवानो, पुन: नया निर्माण करो, खिल उठे फिर से जम्मू की वादियां, पहलगांव में फिर से ऐसा सुकाम करो।* रणधीर मताना ने अपनी दूसरी कविता में उग्रवाद व पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाने की बात कही तो मानावाली गांव के वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया *संस्कारी* ने पहलगाम की घटना से दु:खी होकर व्याकुल मन से कहा कि नित नयनों से पिंघल-पिंघल कर, मन की पीड़ा बरसे, पता नहीं घर लौटेगा भी, जो निकला है घर से। डॉ. पंचारिया ने पूरे जोश, किन्तु दु:खी हृदय से चार कविताएं सुनाई।

सूबे की सरकार हर मोर्चे पर विफल, लोग परेशान : जाटव

धौलपुर (हिंस)। करौली-धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव रविवार को धौलपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस में जन सुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान बिजली और पानी की किल्लत तथा अतिक्रमण हटाओ अभियान में प्रशासन की मनमाने रवैए की शिकायत मिली। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए सांसद भजनलाल जाटव ने कहा कि चंबल नदी के किनारे बसे होने के बावजूद भीषण गर्मी में धौलपुर शहर में नियमित पेयजल की आपूर्ति न होने की वजह से लोग परेशान हैं। जलदाय विभाग की उदासीनता उजागर हो रही है। उन्होंने जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर धौलपुर शहर में नियमित एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने चिरंजीवी बीमा योजना, महात्मा गांधी इंग्लिश स्कूलों सहित कई जनहित की योजनाओं को बंद कर दिया है। प्रदेश की भजनलाल सरकार का जनहित के मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं हैं ओर प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। सांसद ने बताया कि धौलपुर-सरमथुरा- करौली-गंगापुर रेल परियोजना में धौलपुर और सरमथुरा के बीच का गेज कन्वर्जन कर नई रेल लाइन बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। इसके साथ ही सरमथुरा से करौली होते हुए गंगापुर तक की डीपीआर भी तैयार कर ली गई है। जाटव ने बताया कि धौलपुर एवं करौली क्षेत्र की जनता की मांग को देखते हुए आगरा-अजमेर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को ग्वालियर तक

विस्तार देकर उसके धौलपुर में ठहराव किए जाने हेतु रेल मंत्री से चर्चा की जा रही है। इसके साथ ही भोपाल से नई दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव भी धौलपुर स्टेशन पर जल्द ही शुरू किया जाएगा। सांसद ने कहा कि धौलपुर में जिला प्रशासन एवं नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान में मनमानी पूर्ण रवैया की बात सामने आई है। अभियान के दौरान जिला प्रशासन ने बिना किसी को पूर्व में नोटिस दिए मकान एवं दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई की है, जो गलत है। सांसद ने कहा कि आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर जलदाय विभाग चौराहे पर ओवर ब्रिज बनाने की दिशा में उन्होंने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से वार्ता की है तथा जल्दी ही इस चौराहे पर ओवरब्रिज बन जाएगा। जिससे यहां होने वाले हादसों पर रोक लगेगी। करौली-धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव ने 28 अप्रैल को जयपुर में होने वाली संविधान बचाओ रैली में धौलपुर जिले से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं के जयपुर पहुंचने का आह्वान भी किया। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा, धौलपुर नगर परिषद के पूर्व सभापति कमल कंसाना, संगठन महामंत्री धनेश जैन, प्रदेश कांग्रेस सचिव अमित मुदगल एवं जिला कांग्रेस सेवा दल की अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

पानीपत के मंदिरों से गुरु ग्रंथ साहिब होने पर भड़के निंहगों ने किया हंगामा

पानीपत (हिंस)। पानीपत के मंदिरों गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश करते समय मर्यादा का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए निहंगों के एक जत्थे ने रविवार को जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आला अधिकारियों ने निहंगों तथा मंदिर समिति के बीच समझौता करवाकर विवाद को शांत करवाया। रविवार को शहर की हरिबाग कॉलोनी स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर और सेठी चौक स्थित मंदिर में यह घटना हुई। विवाद के बाद डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स मौके पर पहुंचे। जानकारी देते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी नीरज ने बताया कि यहां पिछले 60 सालों से मंदिर है। मंदिर में ऊपर की ओर दरबार साहिब है। जहां गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश होता है। दोपहर को अचानक निहंगों का एक बड़ा जत्था मंदिर परिसर में आया। उन्होंने बताया कि वह हॉल बुकिंग करवाने के लिए आए हैं। हॉल कमरा चैक करने के बहाने ऊपर जाकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब को सिर पर रखकर नीचे ले आए। उनका विरोध किया, तो उन्होंने जोर जबरदस्ती शुरू कर दी। निहंग मंदिर परिसर में तलवारें लहराते हुए वहां से चले गए। डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स ने बताया कि निहंगों व मंदिर प्रबंधन कमेटी को बुलाकर मामले की छानबीन की जिस पर निहंगों ने उन्हें बताया कि मंदिरों में रखे श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेकद्री हो रही थी और मंदिर कमेटी द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब का कोई नियम लागू नहीं किया जा रहा था। जिस कारण हम इज्जत के साथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब को लेकर आए ताकि गुरु ग्रंथ साहिब की बेकद्री न हो। डीएसपी सतीश वत्स ने बताया कि मंदिर प्रबंधन कमेटी की बात भी सुनी और दोनों पक्षों का समझौता कर दिया है और मंदिर प्रबंधन ने निहंगों को आश्वासन दिया कि जो भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब की शान में नियम बनाए गए हैं वह उन्हें जरूर अपनाएंगे। अब विवाद समाप्त हो गया है।

सम्राट चौधरी तेजस्वी यादव पर किया पलटवार तेजसवी के पिता ने बिहार में अराजकता फैलाने का काम किया था

पटना (हिंस)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नेता विपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर बरसे। तेजस्वी यादव द्वारा भारतीय जनता पार्टी पर लगाए गए आरोप कि भाजपा *अपराधियों और बलात्कारियों की पार्टी* बन गई है पर पलटवार करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव के पिता ने बिहार में अराजकता फैलाने का काम किया था। जदयू नेताओं ने भी स्पष्ट किया है कि किसने गोली चलाई थी। पुलिस की नजर में जो भी अपराधी हैं, उन पर कार्रवाई होगी। हम जाति और धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि अपराध के आधार पर कार्रवाई करते हैं। अपराधी आपस में लड़ेंगे, मरेंगे, और पुलिस उन्हें जेल भेजेगी। दरअसल, तेजस्वी यादव ने बिहार के उपमुख्यमंत्री को डरपोक, निकम्मा और नकारे करार दिया था। खोज खोज कर मारा जाएगा आतंकवादी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस हमले को लेकर चिंता जाहिर की है, जो भी आतंकवादी इस घटना में शामिल हैं, उन्हें खोज-खोज कर मारा जाएगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों। सम्राट चौधरी ने आगे कहा 1947 में धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ था लेकिन आज भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं। भारत एकजुट होकर आतंकियों का सामना करेगा।

देश की प्रगति के लिए एक देश एक चुनाव जरूरी : प्रकाश पाल

हमीरपुर (हिंस)। रविवार को एक राष्ट्र-एक चुनाव के निमित्त भाजपा युवा मोर्चा युवा सम्मेलन/युवा परिचर्चा कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष आकाश त्रिपाठी ने किया। मुख्य अतिथि कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल व विशिष्ट अतिथि सुनील पाठक, ब्रजकिशोर गुप्ता, राठ विधायक मनीषा अनुरागी, नरबिंद सिंह ने विचार व्यक्त किया। संचालन युवा मोर्चा के जिला संयोजक राजदीप सिंह ने किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता ने बताया कि देश के विकास के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव बहुत ही आवश्यक है। मुख्य अतिथि प्रकाश पाल ने संबोधित करते हुए उपस्थित सभी नौजवानों में ऊर्जा भरते हुए देश समाज में इस कानून की अत्यंत आवश्यकता है। जिससे देश का आर्थिक विकास होगा एवं देश सुदृढ एवं मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर हर एक गांव गली मोहल्ले में इस बात की चर्चा करनी चाहिए कि एक राष्ट्र-एक चुनाव देश को प्रगति के शिखर पर पहुंचेगा। मीडिया प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि विधानसभा में विगत दिनों युवा संसद कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भी मंच से संबोधित करने का अवसर दिया गया और उनको सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों में कु. सुहानी धुरिया, कु. शिखा चौहान, सूरज कुमार, कु.मनु शिवहरे, कु. काजल रहे। जिलाध्यक्ष आकाश त्रिपाठी ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर आशीष पालीवाल, किशन व्यास, लालाराम निषाद, सुरेंद्र तिवारी, रामदेव सिंह, विशेष नायक, शकुंतला निषाद, रणवीर सिंह, अनूप सिंह, जगतराज प्रजापति, पुष्पराज सोनी, साधना सिंह, सुधेश द्विवेदी, जितेंद्र पाल, राजीव आर्य, निशांत त्रिपाठी, शिवम द्विवेदी, सौरभ सिंह, अजीत सिंह, मोहित सोनी, आदर्श सिंह, अभय यादव, दीपक सिंह गौर, मोहित साहू, संचित पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकी घटना के विरोध में जयपुर में विशाल आक्रोश रैली

जयपुर (हिंस)। पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं सर्व समाज द्वारा रविवार सुबह सन एंड मून रोड नंबर 1 से कांटा चौराहा, झोटवाड़ा तक आक्रोश रैली निकाली गई। हिंदू समाज के आक्रोशित लोग हजारों की संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहलगाम में बलिदान हुए निर्दोष हिंदुओं को सर्व समाज द्वारा पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बजरंग दल के प्रान्त संयोजक प्रेम सिंह ने कार्यक्रम में आए कार्यकर्ताओं एवं हिंदू समाज को संबोधित किया। उन्होंने संपूर्ण हिंदू समाज से जात-पात को भुलाकर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बजरंग दल आतंकियों के खिलाफ हर मोर्चे पर भारतीय सेना के साथ खड़ा है। रैली में हवा महल विधानसभा क्षेत्र के विधायक बालमुकुंद आचार्य ने भाग लेकर कार्यकर्ताओं एवं आम समाज का उत्साह बढ़ाया।

आतंकी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र सरकार का समर्थन करेगा मसीह समाज : फादर ब्रिजेश मैनसल

मुरादाबाद (हिंस)। फिलिप्स मैमोरियल मैथोडिस्ट चर्च में रविवार को प्रार्थना के बाद मसीह समाज के लोगों ने कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना के विरोध में रोष व्यक्त किया। चर्च के मुख्य पास्टर रेव्ह ब्रिजेश मैनसल ने कहा कि देश में आतंकी घटना को रोकने के लिए केंद्र सरकार जो भी एक्शन लेगी पूरा देश उसका समर्थन करेगा। मुख्य पास्टर की अगुवाई में जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे जाने वाले ज्ञापन को इंस्पेक्टर राजेश यादव को सौंपा गया। इस अवसर पर रेव्ह अनिल सी. लाल, रेव्ह रोहित मैसी, राजीव सिंह, अभिषेक विल्सन, बेनहेर, नीरज एडवर्ड आदि ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए निर्दोष सैलानियों की निर्मम हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया। सभी ने कहा कि दुनिया से आतंक का खात्मा जरूरी है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए जिला प्रशासन की पैनी नजर

विवाह के लिए लड़की की उम्र 18 वर्ष व लड़के की शादी की उम्र 21 वर्ष निर्धारित है

रोहतक (हिंस)। बाल विवाह एक कानूनी अपराध है और इसके लिए दो साल की जेल व एक लाख रुपए का जुर्माने का भी प्रावधान है। अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सर्तक है और प्रशासन ने आमजन से भी बाल विवाह रोकने के लिए सहयोग की अपील की है। उपायुक्त धीरेंद्र खड़टा ने कहा कि अक्षय तृतीया के अवसर पर सामाजिक प्रथा अनुसार इस शुभ मुहूर्त पर लोगों द्वारा बड़ी संख्या में विवाह का आयोजन किया जाता है, जिसकी आड़ में लोगों द्वारा काफी संख्या में बाल विवाह को भी संपन्न किया जाता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। साथ ही लोगों को बाल विवाह निषेध अधिनियम बारे भी जागरूक किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि विवाह के लिए लड़की की शादी की उम्र 18 वर्ष व लडके की शादी की उम्र 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इससे पूर्व विवाह करना कानूनन अपराध है। नियम के तहत बाल विवाह के आयोजन में भागीदार सभी लोगों पर कानूनी कार्यवाही किए जाने का भी प्रावधान है, जिसके तहत दो साल की जेल व एक लाख रुपए तक के जुर्माने का भी प्रावधान है। साथ ही उन्होंने अक्षय तृतीया के अवसर पर तीस अप्रैल को विवाह करवाने वाले पुजारी, पाठी, गांव के पंच, सरपंच, नंबरदार व शहरों में नगर पार्षदों एवं सामुदायिक केंद्र, सार्वजनिक भवन, बैंकट हाल, मैरिज पैलेस, धर्मशाला इत्यादि के मालिक प्रभारियों कार्ड प्रिंटिंग, फोटोग्राफर, बैंड बाजा व टेंट हाउस आदि के संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले विवाह समारोह के संबंध में पहले से दूल्हा व दुल्हन के आयु प्रमाण पत्रों की जांच कर लें व आयु प्रमाण पत्रों की एक प्रति अपने पास भी रखे। साथ ही अपने क्षेत्र में बाल विवाह का आयोजन न होने दें।

स्काउट एंड गाइड ने कैंडल मार्च निकालकर पहलगाम के आतंकी हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

अररिया (हिंस)। बिहार राज्य भारत स्काउट गाइड की ओर से रविवार शाम को फारबिसगंज में पहलगाम में आतंकी हमले के शिकार पर्यटकों के आत्मा की शांति को लेकर कैंडल मार्च निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिला संगठन आयुक्त बैजनाथ प्रसाद की अगुवाई में स्काउट और गाइड ने राजेंद्र चौक से कैंडल मार्च निकाला गया, जो राजेंद्र चौकसे छुआपट्टी, सदर रोड होते हुए रेलवे स्टेशन परिसर स्थित शहीद स्तंभ पर जाकर समाप्त हुई, जहां स्काउट गाइड के साथ अन्य लोगों ने शहीद स्तंभ पर कैंडल जलाकर 28 पर्यटकों के मृतात्मा को श्रद्धांजलि दी। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड अररिया के तत्वधान में संयुक्त राज्य सचिव सह जिला संगठन आयुक्त स्काउट बैजनाथ प्रसाद के नेतृत्व में एक कैंडल मार्च निकल गया। मौके पर बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि

आज के दिन पूरे भारतवर्ष में सभी स्थानीय स्तर प्रखंड स्तर अनुमंडल स्तर जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर कैंडल मार्च भारत स्काउट और गाइड संगठन के द्वारा निकाला गया है। पूरे भारत के स्काउट गाइड रोमन रेंजर और इस संगठन से जुड़े हुए सभी अधिकारियों ने इस विषम नरसंहार पर शोक व्यक्त करते हुए सभी निर्दोषों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। कैंडल मार्च में उपस्थित जिला आयुक्त स्काउट वयस्क संसाधन श्री कुमार ठाकुर, जिला सचिव युवराज पासवान, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित राशिद जुनैद, स्काउट मास्टर मोहम्मद शाहिद आलम, मो. शब्दूल के साथ अंश कुमार, विशाल कुमार, मोहम्मद कबीर, मिथिलेश कुमार, अंकित कुमार, सरफराज, पवन कुमार, अजय कुमार, शिवम कुमार, मो कबीर, ज्योति कुमारी, सिमरन कुमारी, प्रियंका कुमारी, निशा कुमारी, साक्षी, गीता, रिया कुमारी के साथ-साथ दर्जनों की संख्या में स्काउट गाइड उपस्थित थे।

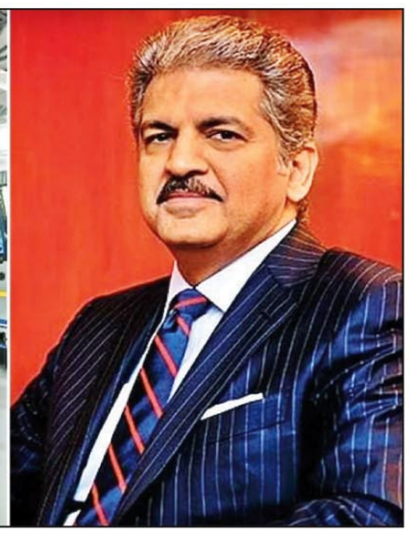

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुजु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है।

यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

एसएमएल इसुजु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुजु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेड वॉर के बीच एप्पल की बदली रणनीति से चीन को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव (ट्रेड वॉर) के बीच एप्पल ने अपनी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने योजना बनाई है कि अगले साल तक अमेरिका में बिकने वाले तमाम आईफोन भारत में ही बनाए जाएं। यह कदम चीन से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ और व्यापारिक तनाव को देखते हुए उठाया गया है। एप्पल कंपनी वर्तमान में चीन और भारत दोनों ही जगह आईफोन का उत्पादन करवा रही है, लेकिन चीन से आयात महंगा होने के कारण अब कंपनी भारत में अपने उत्पादन को बढ़ा रही है। कंपनी के प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स, जैसे फॉक्सकॉन, बेंगलुरु में अपने प्लांट की क्षमता को बढ़ा रहे हैं। फॉक्सकॉन का नया प्लांट इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 मिलियन आईफोन तक हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, यदि यह रणनीति सफल होती है, तो 2026 तक भारत में सालाना आईफोन उत्पादन 60 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकता है, जो वर्तमान उत्पादन का लगभग दोगुना होगा। एप्पल की ग्लोबल बिक्री में अमेरिका का हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत है, इसलिए यह कदम कंपनी की लॉजिस्टिक्स रणनीति और प्रॉफिट मार्जिन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। एप्पल का यह कदम व्यापारिक रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जो न केवल भारत को एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर सकता है, बल्कि चीन के प्रति कंपनी की निर्भरता को भी कम कर सकता है।

नोकिया सॉल्यूशंस ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया में एक प्रतिशत हिस्सेदारी 786 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली। नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी शुक्रवार को 786 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने 102.70 करोड़ शेयर बेचे, जो वोडाफोन आइडिया में लगभग 0.95 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इन शेयरों को औसतन 7.65 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल सौदे की कीमत 785.67 करोड़ रुपए हुई। इस बीच, गोल्डमैन सैक्स, जो एक वैश्विक निवेश कंपनी है, ने वोडाफोन आइडिया में 59.86 करोड़ शेयर यानी 0.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों के अन्य खरीदारों का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है।
पिछले साल जून में, वोडाफोन आइडिया ने घोषणा की थी कि वह नोकिया इंडिया और एरिक्सन इंडिया को उनके आंशिक बकाये का भुगतान करने के लिए 2,458 करोड़ रुपए के शेयर आवंटित करेगी। इस सौदे से नोकिया सॉल्यूशंस को वोडाफोन आइडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के रूप में एक महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ हुआ है, जबकि गोल्डमैन सैक्स जैसे निवेशक इस अवसर का लाभ उठाते हुए वोडाफोन आइडिया में निवेश कर रहे हैं।

व्हाटसऐप का नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च

नई दिल्ली। प्राइवेसी सेटिंग्स को और मजबूत करते हुए व्हाटसऐप ने एक नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च किया है। यह नया अपडेट पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों पर लागू होगा। यह फीचर खासतौर पर यूजर्स की निजी बातचीत की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। यूजर को

यह फीचर भरोसा देगा कि उनकी बातचीत ऐप के अंदर ही पूरी तरह सुरक्षित रहे। व्हाटसऐप ने स्पष्ट किया है कि उनकी प्राइवेसी की नींव अब भी एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन पर टिकी है, जो पहले से ही यह सुनिश्चित करता है कि मैसेज और कॉल्स केवल भेजने और प्राप्त करने वाले ही देख या सुन सकें। लेकिन अब 'एडवांस्ड चैट प्राइवेसी' फीचर इस सुरक्षा लेयर को और मजबूत करता है। इस फीचर को ऑन करने के बाद चैट्स को एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकेगा और मीडिया फाइल्स ऑटोमैटिक डाउनलोड नहीं होंगी। यह फीचर उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा जो अपनी प्राइवेट बातचीत को और भी ज्यादा सुरक्षित रखना चाहते हैं। यह नया फीचर व्हाटसऐप के लेटेस्ट वर्जन के साथ सभी यूजर्स के लिए धीरे-धीरे जारी किया जा रहा है। जिन यूजर्स को अभी यह सेटिंग नहीं दिख रही है, वे गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से व्हाटसऐप को अपडेट कर सकते हैं ।

बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ पेश किया

- मौसम जनित जोखिमों के खिलाफ तुरंत क्लेम देने और मनमाफिक सुरक्षा देने वाला बीमा
- पॉलिसी तुरंत जारी, पूरी तरह से डिजिटल
- ग्राहक साल में कई पॉलिसियां खरीद सकते हैं
- जोखिम अवधि एक दिन जितनी कम हो सकती है
- दावे ऑटोमैटिक से 7 दिनों के भीतर निपटाए जाते हैं

पुणे

भारत की प्रमुख निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ नामक एक नया बीमा प्रोडक्ट लॉन्च किया है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, यह प्रोडक्ट उन लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो इसके प्रभावों से सबसे ज्यादा जद में आते हैं। यह बीमा विशेष रूप से खुदरा ग्राहकों, ऑफिस जाने वालों, ऑटो/टैक्सी चालकों, खुदरा दुकान मालिकों, डिलीवरी एजेंटों, घरेलू सेवा देने वाले प्रोफेशनल, गिग वर्कर्स, घरों में रहने वालों और कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ज्यादा गर्मी, ठंडी लहरों और भारी बारिश जैसी जलवायु घटनाओं के कारण इनकम में कमी या खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।

क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस में उन स्थितियों को कवर किया गया है जिनमें अत्यधिक गर्मी के कारण बढ़े हुए बिजली बिल, यात्रा में अप्रत्याशित खर्च, खराब मौसम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी से बिक्री में गिरावट, बाढ़ के कारण सप्लाई चेन में देरी, लंबे समय तक बारिश से होने वाले रिसाव, भारी बारिश के कारण दुर्घटनाएं, गंभीर मौसम के कारण डेली वेज वर्कर्स के इनकम में नुकसान, बाढ़ और गर्मी की लहरों से घरेलू सामानों की क्षति, और खराब मौसम के कारण प्रोग्राम का कैन्सल हो जाना शामिल हैं। क्लाइमेटसेफ एक नया और आसान बीमा प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहक साल में कई बार खरीद सकते हैं। इसमें क्लेम बिना किसी ज्यादा सूचना और कम से कम डॉक्युमेंट्स के साथ

ऑटोमैटिक सात दिनों के भीतर निपटा दिए जाते हैं। यह बीमा प्रोडक्ट वास्तविक समय के मौसम डेटा के आधार पर प्रीमियम और कवरेज प्रदान करता है। ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार जोखिम स्थान, जोखिम अवधि (1 दिन से 30 दिन तक), मौसम जोखिम (अत्यधिक बारिश, कम तापमान, उच्च तापमान) और बीमित राशि का चयन कर सकते हैं। यह बीमा कवर बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, और उनके अन्य डिस्ट्रब्यूशन चैनलों से खरीदा जा सकता है।

क्लाइमेटसेफ की घोषणा पर बोलते हुए बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से हर किसी का सामना होता राहत है। बेशक यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को अक्सर मुश्किल भरे तरीकों से प्रभावित करता है। मौसम में उतार चढ़ाव के कारण फ्लाइट के कैन्सल होने से लेकर लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और दैनिक यात्राओं में देरी तक, और जलवायु से संबंधित घटनाओं का फाइनैन्शल और ईमोशनल प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। चालू महीने में मारुति सुजुकी ने अपनी बलेनो कार पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई है। बलेनो, हयूंदै आई20, टाटा अल्ट्राज और टोयोटा ग्लाझा जैसी कारों से प्रतिस्पर्धा करती है और लंबे समय से इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बलेनो की कीमत रुपए 6,70,000 से रुपए 9,92,000 (एक्स-शो रुम) तक है और इस पर कुल रुपए 57,100 तक के ऑफर्स उपलब्ध हैं। इनमें रिगल किट रुपए 42,280 और अतिरिक्त रुपए 27,100 के ऑफर्स शामिल हैं। मारुति ने एफवाय25 में बलेनो की 1,67,161 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाय24) में यह आंकड़ा 1,95,607 यूनिट्स था। हालांकि, हाल ही में लॉन्च हुई बलेनो पर आधारित मारुति सुजुकी फ्रॉन्स ने कुछ हद तक बलेनो की बिक्री को प्रभावित किया है। इन दोनों कारों में समान पावरट्रेन और इंटीरियर्स का इस्तेमाल किया गया है। बलेनो में 1.2-लीटर ड्यूल-जेट ड्यूल-वीवीटी पेट्रोल इंजन है, जो 89.73 पीएस की पावर और 113एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके अलावा, इसमें 5-स्पीड मैन्युअल और 5-स्पीड एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प भी हैं। बलेनो का सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है, जो 77.5पीएस और 98.5 एनएम के साथ आता है।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा।

वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी।

इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

शंघाई में इंटरनेशनल ऑटामोबाइल प्रदर्शनी

शंघाई में लोग इंटरनेशनल ऑटामोबाइल प्रदर्शनी में चीनी कार ब्रांड जेटोर को देखते हुए लोग।

शुरुआती बुकर्स को बुकिंग राशि वापस कर रही टेस्ला

मुंबई

टेस्ला इंक के भारतीय कार्यालय ने देश में अपने मॉडल 3 के शुरुआती बुकर्स को बुकिंग राशि वापस करनी शुरु की है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने 2016 में किए गए रिजर्वेशन को रिफंड करना शुरू किया है। इससे अटकलें तेज हैं कि टेस्ला अब भारत में अपनी गाड़ियों की बिक्री शुरू करने को तैयार है।

टेस्ला की ओर से ग्राहकों को भेजे ईमेल में कहा गया है, हम फिलहाल आपकी बुकिंग राशि वापस करना चाहते हैं। जब हम भारत में अपने ऑफर्स को अंतिम रूप देने के बाद फिर आपसे संपर्क करने वाले है। एलन मस्क के नेतृत्व वाली टेस्ला इंक पुराने मॉडल 3 वर्जन के बंद होने के कारण यह रिफंड दे रही है।

कंपनी की ओर से ये ईमेल संकेत देते हैं कि टेस्ला भारत में उच्च इम्पोर्ट ड्यूटी को लेकर वर्षों से चली आ रही अड़चनों के बाद अब भारतीय बाजार में आने को तैयार है। मस्क ने हाल ही में पोस्ट करते हुए कहा कि वह इस साल के अंत तक भारत का दौरा करुंगा। यह ऐलान तब हुआ जब भारत और अमेरिका के बीच एक नए व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, जिसमें कारों पर टैरिफ घटाने पर भी चर्चा हो रही है। अगर भारत में टैरिफ स्ट्रक्चर को ज्यादा अनुकूल बनाया गया, तब यह टेस्ला की दीर्घकालिक योजनाओं को नया आकार दे सकता है। गौरतलब है कि बीते साल टेस्ला की वैश्विक वाहन डिलीवरी में एक दशक से ज्यादा समय में पहली बार गिरावट दर्ज की गई, जबकि चीन की बीवॉयडी कंपनी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। भारत के लिए टेस्ला कारों की सड़क पर मौजूदगी बढ़ती समृद्धि वाले अपर मिडिल क्लास को आकर्षित कर सकती है। हालांकि, इसका खतरा भी है कि इससे देशी कार निर्माताओं पर असर पड़ेगा, जो देश भर में हजारों लोगों को रोजगार देते हैं।

भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके : देव

नई दिल्ली

एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन अभिषेक देव ने इस संभावनाओं पर जोर दिया है और कहा कि भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके हैं। भारत में बनने वाली शराब की दुनियाभर में मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है, और इसका निर्यात 37 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2030 तक एक अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

उन्होंने बताया कि भारत के पास जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। देव ने भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) द्वारा आयोजित एल्कोबेव इंडिया सम्मेलन में कहा, हमारे पास विभिन्न प्रकार के जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे अच्छे उत्पाद हैं, जिनकी निर्यात संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उन्होंने उद्योग को यह भी सलाह दी कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करें और घरेलू बाजार से संतुष्ट न रहें। एपीडा के चेयरमैन ने यह भी बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जैविक उत्पादों के लिए आपसी मान्यता समझौता फाइनल होने के करीब है, और इसमें जैविक वाइन भी शामिल है, जो निर्यात के अवसरों को और बढ़ाएगी। इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण सचिव सुब्रत गुप्ता ने भी उद्योग से आग्रह किया कि वह मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें और फलों तथा सब्जियों की बर्बादी को रोकने के उपायों को बढ़ावा दें। गुप्ता ने कहा, भारत कृषि उत्पादों का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन प्रसंस्करण की क्षमता में हम पीछे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मादक पेय पदार्थों के निर्यात को बढ़ाने के लिए जोर दिया और कहा कि इससे भारत को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी।

पोर्टफोलियो में अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट वर्जन जोड़ने की योजना

नई दिल्ली। स्वदेशी टाटा मोटर्स कंपनी अपने पोर्टफोलियो में अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट वर्जन जोड़ने की योजना बना रही है। हाल ही में इस कार को टेस्टिंग के दौरान देखा गया और पुणे में रोड टेस्ट के दौरान इसकी स्पाई फोटोज भी सामने आई हैं। इसे इस साल के अंत तक लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। फ्रंट फेसिया में प्रमुख अपडेट हैं, जैसे शार्प लाइटिंग सेटअप और ग्रिल-बम्पर में बदलाव। इन अपडेट्स से यह हैचबैक और भी स्पोर्टी नजर आएगी। टेस्टिंग व्हीकल में स्टील व्हील का उपयोग किया गया है, जो निचले वैरिएंट को दर्शाता है। वहीं, पिछले हिस्से में रिफ्रेश की गई एलईडी टेल लाइट और अपडेटेड बंपर होने की संभावना है। इंटीरियर्स में भी बदलाव किए गए हैं, जैसे कि एसी वेंट्स पर पियानो ब्लैक फिनिश और नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील जिसमें इल्यूमिनेटेड टाटा लोगो है।सीएनजी मोड में यह इंजन 73.5 पीएस पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध रहेगा। पेट्रोल और डीजल वेरिएंट्स में भी वही इंजन ऑप्शंस रहेंगे। अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट, मारुति बलेनो सीएनजी वेरिएंट को टक्कर देती रहेगी, जिसमें 1.2-लीटर डुअल-फ्यूल इंजन है। इसके अलावा, फेसलिफ्ट में वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, नई 10.2-इंच इंस्ट्रूमेंट स्क्रीन, अपडेटेड एम्बिएंट लाइटिंग, और पावर्ड ड्राइवर सीट जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं। सुरक्षा के मामले में सभी वैरिएंट्स में 6 एयरबैग और कैमरा-बेस्ड अडास फीचर्स स्टैंडर्ड हो सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज सीएनजी में वही 1.2-लीटर डुअल-फ्यूल इंजन रहेगा, जो मौजूदा मॉडल में है।

कृष्णा भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी बड़ी भूमिका निभाएंगे : रायुडू

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। कृष्णा ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। वह अभी तक सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज होने के कारण पर्पल कैप के दावेदार हैं। गुजरात की टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष पर है और उसकी ओर से कृष्णा ने अब तक 16 विकेट लिए हैं। कृष्णा पिछले काफी समय से फिटनेस की दिक्कतों के कारण खेल से दूसरे थे पर इस साल की शुरुआत में ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखायीं थीं। इसके बाद से ही वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। रायुडू ने कहा, वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद फेंकना है । उनकी गेंदबाजी में बहुत सारी विविधताएं हैं, उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल गुजरात ही नहीं भारतीय टीम के लिए भी भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर भी रायुडू से सहमत हैं और उनका भी कहना है कि कहा कि कृष्णा अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और गुजरात को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपनी गेंदबाजी का आनंद लेते हैं। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये हैं जो दबाव हटाता है। उनकी गति बढ़ गई है।

आरसीबी के कोच द्वारा हेजलवुड की जमकर प्रशंसा

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जमकर प्रशंसा की है। फ्लावर ने कहा कि हेजलवुड खेल के किसी भी प्रारूप में आसानी से दबाव का सामना करते हैं और जानते हैं कि कब कैसे गेंदबाजी करनी है। आरसीब के अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचने में भी हेजलवुड की अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन देकर 4 विकेट लिए थे। फ्लावर ने कहा, 'मैं उनके आखिरी दोनों ओवरों की बात करूंगा क्योंकि उनके दो ओवरों में केवल सात रन गए और उन्होंने तीन विकेट लिए। उन दोनों ओवरों से पता चलता है कि वि किस स्तर का गेंदबाज है। उसके पास किसी भी प्रारूप में खेलने की क्षमता है। मुझे पता है कि उसे एक ही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी के लिए जाना जाता है पर उसके पास हर तरह की गेंदबाजी करने की क्षमता है। वहीं जिम्बाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'उसने यॉर्कर, वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदों का शानदार मिश्रण किया। उसे पता है कि कब किस तरह की गेंदबाजी करनी है। फ्लावर ने कहा कि तीन अलग-अलग तरह की तेज गेंदबाजी आक्रमण आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवनेश्वर कुमार का भी प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावेरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी। दीया चितले और हरमीत देसाई का एकल सफर रहा चुनौतीपूर्ण महिला एकल में दीया चितले का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में खत्म हो गया। उन्हें जर्मनी की साबिने विंटर ने 11-8, 6-11, 7-11, 9-11 से हराया। इससे पहले दिया ने राउंड ऑफ 32 में भारत की टॉप खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराकर सनसनी मचाई थी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई भी राउंड ऑफ 16 में हार गए। उन्हें जापान के छठी वरीयता प्राप्त हिरोटो शिनोजुका ने 11-9, 9-11, 8-11, 1-11 से मात दी।

शुभमन बोले, जिनसे मिला ही नहीं उनसे मेरा नाम जोड़ा गया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज और आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अपने खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चाओं में बने रहते हैं। कुछ समय पहले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ उनके नाम को जोड़ा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान के साथ भी देखे गए। वहीं हाल में एक साझात्कार में शुभमन ने इन सभी बातों को आधारहीन बताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा कि मेरा नाम ऐसे लोगों से जोड़ा गया है जिनसे मैं कभी मिला ही नहीं। इसलिए मुझे इन बातों पर हैरानी होती है। मैंने कुछ लोगों को अपने जीवन में कभी देखा तक नहीं, फिर भी मेरे बारे में ऐसी बातें फैलती हैं। साथ ही कहा कि उनका पूरा ध्यान इस समय अपने करियर पर है आर रिलेशनशिप के लिए उनके पास न तो समय है और न ही रुचि। सारा तेंदुलकर के साथ उनकी कथित डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया के एक इंस्टाग्राम कमेंट से शुरू हुई थीं हालांकि दोनों को कभी सार्वजनिक रूप से एक साथ नहीं देखा गया।

आईपीएल : प्रभुसिमरन के 1,000 रन पूरे हुए

कोलकाता । पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आईपीएल में 1000 रन बनाने वाले टीम के पहले अनकैप्ड बल्लेबाज बन गये हैं। प्रभसिमरन ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में लगाये अर्धशतक के दौरान ही अपने 1000 रन पूरे किये। अनकैप्ड खिलाड़ी वो होता है जिसने कभी भी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में कभी अपने देश की ओर से नहीं खेला हो। प्रभसिमरन ने अपनी पारी के दौरान 49 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की सहायता से 83 रन बनाये। उन्होंने 169.39 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस सत्र में उन्होंने 9 पारियों में 32.44 के औसत से 292 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है। उन्होंने कुल मिलाकर 43 मैचों में उनके 24.37 के औसत और 151.88 के स्ट्राइक रेट से 1,048 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर को किया रोशन

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर जीआई-पीकेएल के जरिए कबड्डी की शानदार प्रस्तुति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता का गवाह बना

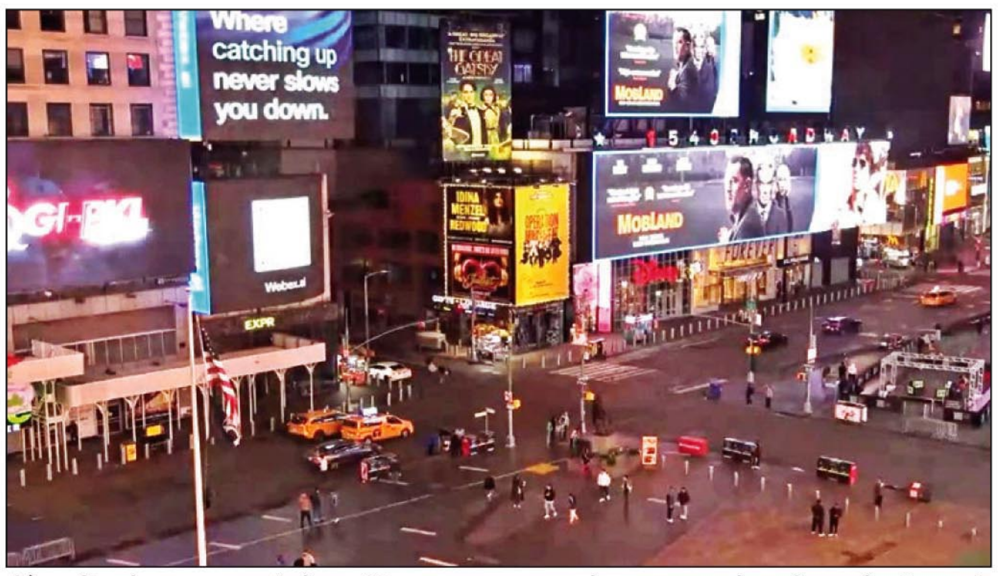

गुरुग्राम (हरियाणा)

ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) भारत और दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। रविवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक डिजिटल कैंपेन के जरिए भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया। यह ऐतिहासिक कदम भारतीय कबड्डी के लिए एक बड़ी छलांग साबित हुआ, जिसने न केवल इस खेल की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि लीग के सीमाओं से परे दर्शकों से जुड़ने के प्रयासों को भी रेखांकित किया।

टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी की यह भव्य उपस्थिति भारत के स्वदेशी खेल की दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मंचों में से एक पर शानदार प्रस्तुति का प्रतीक बनी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी जीआई-पीकेएल में अपने अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दुनिया भर में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

केन्या की आइरीन एटिएनो ओटिएनो, जो जीआई-पीकेएल में हरियाणवी ईगल्स टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, मेरा अनुभव बहुत सीखने वाला रहा है, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कबड्डी के सभी नियम जानती हूं। लेकिन यहां आकर मुझे एक और अधिक पेशेवर तरीके से कबड्डी खेलना सीखने को मिला। मैं बहुत विनम्र महसूस कर रही हूं।

हंगरी की जीता कोर्बर ने कहा, मैं इस अनुभव का बहुत आनंद ले रही हूं। मेरे देश (हंगरी) के लोग मानते हैं कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि जीआई-पीकेएल में खेल रही हूं, और वे पूरे टूर्नामेंट के दौरान मेरा समर्थन कर रहे हैं।

जीआई-पीकेएल के प्रति प्रतिक्रिया पर बात करते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा, टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी को देखना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि कबड्डी अब वैश्विक मंच के लिए तैयार है। हम बेहद रोमांचित हैं कि दुनिया हमारे खेल को इतने उत्साह के साथ अपना रही है।

इस महीने की शुरुआत में, जीआई-पीकेएल के आगाज से पहले दिल्ली-एनसीआर, बरेली, लखनऊ, देहरादून, गोरखपुर, हैदराबाद और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में 30 से अधिक प्रमुख होर्डिंग्स लगाए गए थे, जिसने ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग के लिए एक भव्य दृश्य प्रस्तुत किया।

इस बीच, लीग अब अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रही है, जहां पंजाबी टाइगर्स, मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स ने शनिवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

पहला सेमीफाइनल सोमवार को शाम 7:00 बजे मराठी वल्चर्स और पंजाबी टाइगर्स के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स के बीच होगा। फाइनल मुकाबला 30 अप्रैल को निर्धारित है।

महिला वर्ग में मुकाबले रविवार से फिर शुरू होंगे। शाम 6:00 बजे पंजाबी टाइग्रेस बनाम मराठी फाल्कन्स के बीच भिड़ंत होगी, इसके बाद 7:00 बजे तेलुगू चीता बनाम हरियाणवी ईगल्स का मुकाबला होगा। दिन का समापन 8:00 बजे भोजपुरी लेपर्डेस और तमिल लायनेस के बीच मैच के साथ होगा, जिसके साथ महिला लीग चरण का समापन होगा।

आईपीएल 2025: बारिश की भेंट चढ़ा पंजाब किंग्स और केकेआर का मुकाबला, दोनों को मिले एक-एक अंक

कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 44वां मुकाबला बारिश की वजह से बिना नतीजे के रहा। कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए इस मुकाबल में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 201 रन बनाए। वहीं, कोलकाता की पारी में सिर्फ एक ओवर का खेल हो सका, जिसमें केकेआर ने बिना कोई विकेट खोए 7 रन बनाए। इस बेनतीजा मैच के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। इस तरह पंजाब के पास 11 अंक और केकेआर के 7 अंक हो चुके हैं।

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी पंजाब ने शानदार शुरुआत की। दोनों सलामी बल्लेबाजी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को तेज रनगति के साथ रन बनाने शुरू किए। दोनों के बीच 120 रन की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में प्रियंश 35 गेंदों में 69 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। फिर कप्तान श्रेयश अय्यर ने प्रभसिमरन के साथ मिलकर 40 रन जोड़े तभी प्रभसिमरन आउट हो गए। उन्होंने 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 49 गेंदों 83 रन की पारी खेली। उनके बाद टीम का स्कोर 200 के पार जरूर पहुंचा लेकिन रनगति पहले के मुकाबले काफी कम रही। कप्तान श्रेयश 25 रन और जोश इंग्लिश 11 रन बनाकर नाबाद रहे। जबकि ग्लेन मैक्सवेल एक बार फिर रन बनाने में विफल रहे। उन्होंने 7 रन बनाए। जबकि बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए मार्को यानसे भी कुछ खास नहीं कर सके और 7 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हुए।

कोलकाता के लिए वैभव अरोड़ा ने दो विकेट चटकाए जबकि वरुण चक्रवर्ती और आंद्रे रसल को 1-1 सफलता मिली।

बेस्ट फील्डिंग के लिए प्रसिद्ध जोंटी रोड्स पहुंचेंगे छत्तीसगढ़

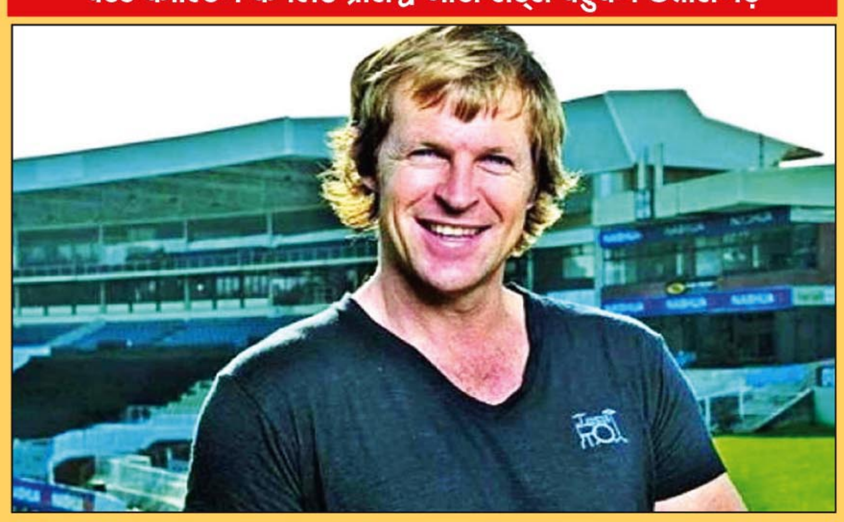

बेस्ट फील्डिंग के लिए मशहूर पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी जोंटी रोड्स को चाहने वाले रायपुरिंस के लिए एक अच्छी खबर है। जोंटी रोड्स आज रविवार को राजधानी रायपुर आ रहे हैं, जहाँ वह क्रिकफेस्ट के चयनित छात्रों के लिए फील्डिंग मास्टर क्लास लेंगे। वह रायपुर के अवंती विहार स्थित इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी के मैदान जाएँगे। उल्लेखनीय है कि क्रिकफेस्ट एक महीने तक चलने वाला क्रिकेट मास्टर क्लास समर कैंप है, जिसका आयोजन अरण्य ने एकाना के सहयोग से किया है। इस कैंप में भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसी संदर्भ में जोंटी रोड्स रायपुर आकर क्रिकफेस्ट के छात्रों को फील्डिंग का प्रशिक्षण देंगे। यह एक बेहतरीन अवसर है युवा क्रिकेटर्स के लिए, जहाँ वे विश्वस्तरीय फील्डिंग के गुर सिख पाएँगे।

गोयनका खिलाड़ियों को फैसले लेने में आजादी देते हैं : पूरन

लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने फ्रैंचाइजी मालिक संजीव गोयनका का बचाव करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को फैसले लेन में आजादी देते हैं। गोयनका टीम की रणनीतियों में शामिल रहते हैं और माना जाता है कि उनका रवैया खिलाड़ियों की ओर सख्त रहता है। पिछले सत्र में कप्तान रहे केएल राहुल के साथ हुई उनकी बहस के बाद खास विवाद भी उठा था। राहुल को इसके बाद रिटेन नहीं किया गया था। इस बार भी वह टीम की हार के बाद कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई बातचीन के लिए निशाने पर रहे हैं। उन पर खेल के मामलों में बिना कारण हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। पूरन ने गोयनका के कामकाज की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं और उन्हें खेल के आधार पर फैसले लेने की आजादी देते हैं। पूरन ने बताया कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को कई अवसर प्रदान किए हैं, जिसका प्रभाव पूरी टीम के प्रदर्शन पर नजर आया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। पूरन ने उम्मीद जताई कि इससे अब आने वाले मैचों में टीम बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। पूरन इस सत्र में जबरदस्त फॉर्म में हैं। इस कैरेबियाई बल्लेबाज ने 9 मैचों में 47.13 की औसत और 204.89 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 377 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैच की दौड़ में बने हुए हैं।

मनोज तिवारी बोले कोच पोंटिंग के कारण खिताब नहीं जीत सकेगी पंजाब

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और वह खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजाब की टीम खिताब नहीं जीत पायेगी। तिवारी पोंटिंग के कोचिंग के तौर तरीके से खुश नहीं हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि जिस प्रकार से पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे हैं उससे पंजाब को नुकसान होगा। तिवारी ने सोशल मीडिया में लिखा, मुझे लगता है कि इस सत्र में भी पंजाब किंग्स आईपीएल खिताब नहीं जीत पाएगी। मैंने देखा कि कोच भारतीय खिलाड़ियों से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रहे हैं। इसी कारण नेहल वडेरा और शशांक सिंह के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस सत्र में रन बनाने में विफल रहे ग्लेन मैक्सवेल और मार्को येनसन को को आगे भेजा जा रहा है।

कोपा डेल रे फाइनल: बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया, कोंडे ने एक्स्ट्रा टाइम में किया विजयी गोल

सेविले

बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कोंडे ने शनिवार को सेविले में खेले गए रोमांचक कोपा डेल रे के फाइनल में अतिरिक्त समय में गोल दागकर अपनी टीम को रियल मैड्रिड पर 3-2 की शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां स्पेनिश कप अपने नाम किया।

ला कार्तूजा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पेड्री (28वें मिनट) ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर किलियन एम्बाप्पे (70वें मिनट) और ऑरेलियन चूअमेनी (77वें मिनट) के गोल से रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी कर ली। फिर 84वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। अंततः जूल्स कोंडे ने निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों का बर्ताव रहा विवादों में - मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर को रेफरी की ओर वस्तु फेंकने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। वहीं लुकास वाज़क्वेज़ भी विरोध करने पर बाहर कर दिए गए। रियल कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद रेफरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

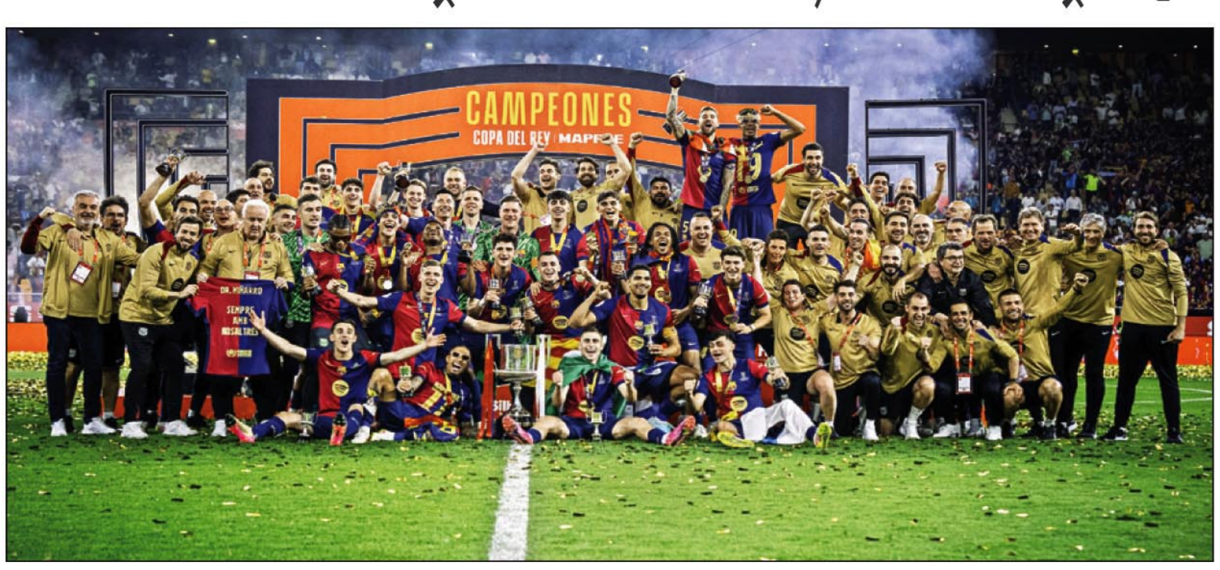

यमाल ने दिखाया जलवा, एम्बाप्पे ने दिलाई उम्मीद - रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे को शुरुआती एकादश में नहीं रखा था, लेकिन चोट से उबरने के बाद वह दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे और 70वें मिनट में शानदार फ्री-किक से स्कोर बराबर किया। इसके बाद चूअमेनी ने हेडर से मैड्रिड को बढ़त दिलाई। बार्सिलोना के लिए युवा विंगर लामिन यमाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और टोरेस को बराबरी का गोल करने में मदद की। अतिरिक्त समय में चमके कोंडे अतिरिक्त समय में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा। अंततः लुका मोड्रिच की गलती का फायदा उठाते हुए कोंडे ने दूर से शक्तिशाली शॉट लगाया और बार्सिलोना को विजयी बना दिया।

कितनी देर धोएं हाथ

साबुन से अच्छी तरह झाग बनाकर करीब 20 सेकेंड तक हाथ धोना सही रहता है। जरूरी नहीं कि आप एंटी बैक्टीरियल साबुन का ही इस्तेमाल करें। कोई भी साबुन कीटाणुओं को मारने में कारगर हो सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि आपके बच्चे उंगलियों के बीच में और नाखूनों के आसपास भी अच्छी तरह से हाथ धोएं। और हां कलाई साफ करना न भूलें।

सुखाने के लिए तौलिया हो सही

हाथ धोने के बाद उसे तौलिये से पोंछ लें। इस बात का ध्यान रखें कि आपका बच्चा जिस तौलिये से हाथ साफ कर रहा है वह साफ और सूखा हो। गंदे तौलिये से हाथ साफ करने से बच्चे के हाथ पर दोबारा कीटाणु जमा हो सकते हैं। और ऐसे में उसका हाथ धोना बेकार जाएगा।

हाथ धोने की महत्ता को नजरअंदाज न करें। हाथों की सफाई पर लगाए गए चंद सेकेंड आपके और आपके बच्चे को डॉक्टर के पास लगने वाले कई चक्करों से बचा सकते हैं।

बाइक्स के लिए स्मार्ट एमरजेंसी सिस्टम

कारों तथा अन्य चौपहिया वाहनों में सुरक्षा का ध्यान रखते हुए एमरजेंसी सिस्टम लगाया जाता है जोकि गंभीर हादसों के दौरान जानें बचाने के काम आता है पर इस तरह का स्मार्ट एमरजैंसी सिस्टम दोपहिया वाहनों में देखने को नहीं मिलता, हालांकि दोपहिया वाहनों को भी सुरक्षा की उतनी ही जरूरत होती है जितनी चौपहिया वाहनों को। इस बात का ध्यान रखते हुए बीएमडब्ल्यू द्वारा मोटरसाइकिलों के लिए भी स्मार्ट एमरजेंसी सिस्टम तैयार किया जा रहा है। जो एमरजेंसी तकनीक मोटरसाइकिलों के लिए बनाई जा रही है इसमें इंटेलीजेंट एमरजेंसी काल की सुविधा दोपहिया वाहनों में हादसों के दौरान होने वाले जान-माल के नुक्सान को बचा सकती है। इसमें दिए गए आटोमैटिक रिस्पांस सिस्टम के कारण यह भी कहा जा रहा है कि इसमें आर्टीफीशियल इंटैलीजैंस का इस्तेमाल भी किया गया है। बीएमडब्ल्यू द्वारा तैयार किया गया इंटेलीजैंट एमरजैंसी काल यानी आईईसी सिस्टम और लीन एंगल सैंसर्ज न सिर्फ बाइक के गिरने या क्रैश होने की खबर देते हैं बल्कि इसके साथ जल्दी ही सहायता के लिए एमरजेंसी कॉल भी करते हैं। यदि एक्सीडेंट अधिक गंभीर है तो एमरजेंसी काल के साथ-साथ यह सिस्टम आपकी लोकेशन भी साथ में सैंड करता है। अगर एक्सीडेंट छोटा है तो आपके पास एमरजैंसी काल को कैंसिल करने का भी समय होगा। भारत, अमरीका आदि में यह टैक्नोलॉजी इतनी जल्दी नहीं आने वाली पर आई.सी.ई. को सबसे पहले जर्मनी में 2017 के करीब लांच किया जाएगा तथा इसके बाद इसको यूरोप के अन्य देशों में फैलाया जाएगा। अन्य देशों में इसकी उपलब्धता के बारे कुछ नहीं कहा गया है। हालांकि कम्पीटिशन को देखते हुए इस टैक्नोलाजी में प्रयोग किए जाने वाले टूल्स को अन्य कम्पनियां भी कॉपी कर सकती हैं।

भविष्य का वाहन होवरबाइक...

ब्रिटेन के कोलिन फ्रूज ने भविष्य के वाहन यानी उड़ने वाली बाइक का अविष्कार किया है। इसका नाम होवरबाइक रखा गया है। उसने दो पैराजेट मोटरों को एक विशाल पंखे की शक्ल दी है, जिससे बाइक ऊपर उठती है। कोलिन ने इस अविष्कार के चार वीडियो जारी किए हैं। इसमें बाइक की बनावट के साथ ही यह किस तरह उड़ती है, इसकी जानकारी दी गई है। वीडियो में कोलिन जमीन से उड़ते हुए हवा में पहुंच जाते हैं। वीडियो यू-ट्यूब पर उपलब्ध है। उन्होंने इसे बनाने के तरीके भी बताए हैं। लोगों के सुझाव पर बनाया कोलिन को इस वाहन को बनाने का सुझाव हजारों दर्शकों से मिला। उन्होंने उड़ने वाली बाइक तो बना ली है, लेकिन यह बाजार में आएगी या नहीं या कब तक आएगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

अब ई-बाइक्स की डिमांड

निजी परिवहन के लिए बहुत से व्हीकल्स यानी मोटरसाइकिल्स, कारें आदि मार्केट में उपलब्ध हैं लेकिन निजी वाहन के रूप में इलैक्ट्रिक साइकिल्स यानी ई-बाइक्स का विस्तार हो रहा है और ई-बाइक्स इस मार्केट का सबसे बड़ा हिस्सा बनती जा रही हैं। इस समय कई कंपनियां ई-बाइक्स बना रही हैं। अब जियोऑर्बिटल व्हील पर भी काम हो रहा है जो आपकी साधारण को ई-बाइक में बदल देगा।

ऑटो वर्ल्ड में सिर्फ इलैक्ट्रिक कारों ने ही अपनी जगह मजबूत नहीं की है, फ्यूल की बढ़ती कीमत के कारण इलैक्ट्रिक बाइक्स और ई-बाइक्स यानी इलैक्ट्रिकल साइकिल की डिमांड भी बढ़ी है। एक रिसर्च के मुताबिक 2014 में ग्लोबल ई-बाइक की बिक्री 32 मिलियन तक थी जो 2023 तक 40 मिलियन तक हो जाएगी। अब तो ई-बाइक्स में इनोवेटिव फीचर्स यानी स्मार्टफोन से कनैक्ट करने वाले फीचर्स भी दिए जा रहे हैं। आइए एक नजर ऐसी ही इनोवेटिव ई-बाइक्स पर डालते हैं।

बैटियन साइकिल्स

आम इस्तेमाल के लिए प्रयोग होने वाली टाइटैनियम और कार्बन फाइबर से बनी बाईसाइकिल्स पहले से ही बहुत स्पैशल है और यह तब और भी स्पेशल बन जाती हैं जब इन्हें आर्डर पर बनाया जाए। ऑस्ट्रेलिया के बैटियन साइकिल्स ने चीजों को और भी बदल दिया है। हाल ही में उन्होंने पहले ऐसे मॉडल की घोषणा की है जिसमें फिलामैंट-वाऊंड कार्बन ट्यूब्स जिन्हें टाइटेनियम लग्स से एक-दूसरे से जोड़ा गया है, को 3डी प्रिंटर से बनाया गया है। लेजर की मदद से एयरोस्पेस टाइटेनियम पाऊडर को पिघलाकर एक इंच के हजारवें भाग का निर्माण मोटी परतों के रूप में किया जाता है। एक साइकिल के सभी लग्स को एक बार में ही बनाया जाता है जिससे यह पार्ट्स एक दिन से भी कम समय में बन जाएंगे। कार्बन ट्यूब्स को बाद में लग्स में लगाया जाता है और अपनी जगह पर लगा दिया जाता है। इस सिस्टम का एक फायदा यह है कि अगर यह ट्यूब्स टूट जाएं तो इन्हें अलग से बदला जा सकता है।

स्टाइलिश ओको

सबसे स्टाइलिश ई-बाइक्स में से एक। फार्मूला 1 रेस कार मैटीरियल से बनाई गई है ओको। सिंगल चार्ज पर 40 किलोमीटर तक चल सकती है। यह बाइक डच कम्पनी बायोमेगा ने बनाई है और इसका वजन 40 पाऊंड है।

कुछ खास है जिंजी

जिंजी में रिमूवेबल बैटरी लगी है। पैडल, थ्रोटल और एनालॉग 3 मोड्स दिए गए हैं। लाइटवेट बैटरी पैक जो 4 घंटों में चार्ज हो जाती है। 32 किलोमीटर तक की रेंज। स्पीड, पैडल एसिस्ट लैवल्स, ई-बाइक मोड और अन्य कंट्रोल्स के बारे में बताता है इसमें लगा एलसीडी पैनल। ई101 और ई102 मॉडलों में उपलब्ध।

लीयाओस सोलर

लीयाओस सोलर में सोलर टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है जिससे बैटरी अपने आप चार्ज होती रहती है। बाइक के दोनों तरफ लगे हैं सोलर पैनल। प्लस से चार्ज करने पर लगते हैं 2 घंटे। लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है।

जी फ्लाईबाइक

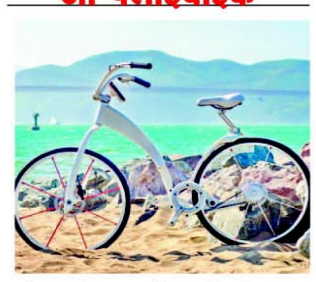

जी फ्लाईबाइक को एप से लॉक कर सकते हैं। यू.एस.बी. पोर्ट और पैडल की मदद से चार्ज हो जाती है। आसानी से फोल्ड करके कहीं भी रख सकते हैं। सिंगल चार्ज पर 40 मील यानी 64 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है।

वैनमूफ इलेक्ट्रीक एस

वैनमूफ इलेक्ट्रीक एस नाम की ई-बाइक को इंटरनैट से भी कनेक्ट कर सकते हैं। एप की मदद से हाथों में होगा सारा कंट्रोल। एप की मदद से स्पीड भी कर सकते हैं कंट्रोल। 32 कि.मी. की टॉप स्पीड और 112 कि.मी. तक की रेंज।

जियोऑर्बिटल व्हील का कमाल

अगर आपके पास बाइक है तो क्या आप इसे महज 60 सैकेंड के अंदर ई-बाइक में बदल सकते हैं। जियोऑर्बिटल नामक यह व्हील आपकी बाइक को ई-बाइक बनाने में मदद करेगा। पिछले एक-दो सालों से जियोऑर्बिटल पर काम हो रहा था लेकिन अब इसे पूरी तरह से बना लिया गया है और जियोऑर्बिटल को किकस्टार्टर कैम्पेन के तहत लांच किया गया है ताकि इसके लिए प्री-आर्डर और पैसे इकट्ठे किए जा सकें।

कैसे करता है काम

जियोऑर्बिटल एक व्हील है जो आपके बाइक के आगे वाले व्हील की जगह लगाया जाएगा और इससे आपकी साधारण बाइक इलैक्ट्रिक बाइक में बदल जाएगी। इस व्हील में छोटे इलैक्ट्रिक व्हील लगे हैं जो रिम को घुमाने में मदद करते हैं। किसी गियर की तरह ये छोटे व्हील्स रिम को पकड़े रखते हैं जिससे बाइक को गति मिलती है। बाइक को चलाने के लिए 500 वॉट की मोटर मदद करती है और व्हील के अंदर ही 36 वोल्ट की बैटरी भी लगी है। जियोऑर्बिटल रिम में 3 व्हील्स लगे हैं लेकिन इसमें से एक ही इलैक्ट्रिक पावर पर चलता है बाकी के 2 स्थिरता के लिए हैं।

फ्लैट टायर

इस व्हील को सॉलिड फोम से बनाया गया है जिस पर फ्लैट टायर लगे हैं और इसका वजन 9.07 किलोग्राम है। जहां तक थ्रोटल की बात है तो यह छोटे से लीवर के रूप में आता है जिसे हैंडल बार पर अटैच किया जा सकता है जिसमें एक पावर बटन लगा है। इस बटन से व्हील घूमता है और बैटरी इंडीकेशन के लिए लाइट्स लगी हैं।

टायर कुछ अलग हटके

आपने कितनी बार ऐसी कारें देखी हैं, जो सामान्य से बड़े पहियों और टायर पर दौड़ती नजर आती हैं। ये टायर आपकी कार में फिट टायरों से जरा अलग हटके होते हैं। हो सकता है कि आपने बहुत कम ही ऐसी कारें देखी हों, जिनमें इस तरह के टायर होते हैं।आप इन कारों में जो टायर देखते हैं वे वास्तव में बाजार में आने के बाद करवाया गया संशोधन होता है। इसमें बड़े व्हील रिम और लो-प्रोफाइल टायरों का इस्तेमाल किया जाता है। ये टायर सामान्य टायरों की अपेक्षा पतले होते हैं ताकि बड़े व्हील पुराने व्हील खांचे में ही सेट हो जाएं। हालांकि, ये टायर जरा हटकर नजर आते हैं, लेकिन इससे पहले कि आप इन्हें खरीदने के लिए दौड़ पड़ें कुछ बातों का खयाल जरूर रखना चाहिए।

टायर का साइज कैसे पढ़ें

हर टायर पर अन्य जानकारियों के साथ ही टायर का साइज भी लिखा होता है। आप टायर पर ये सभी जरूरी जानकारियां देख सकते हैं। फिलहाल हम सिर्फ टायर पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। टायर के साइज की जानकारी 305/30जेडआरवी9 के रूप में लिखी नजर आ सकती है। जिसका अर्थ होता है, 305 यानी मिलीमीटर में टायर की चौड़ाई 30, टायर के प्रोफाइल या पहलू अनुपात के बारे में जानकारी। टायर की स्पीड रेटिंग। यहां जेड रेटिंग का अर्थ है 300 किलोमीटर/घंटे से अधिक की रफ्तार।

टायर प्रोफाइल

टायर प्रोफाइल टायर के साइडवॉल की गहराई होती है या टायर के साइड की ऊंचाई होती है। इसे टायर की चौड़ाई के कुछ प्रतिशत के रूप में माना जाता है। हमारे उदाहरण में देखें, तो 305/30जेडआरवी9 टायर, प्रोफाइल या पहलु अनुपात बहुत कम यानी 30 है। इसका अर्थ है कि टायर के साइडवॉल की गहराई 305 मिलीमीटर का 30 फीसदी है। लो प्रोफाइल टायरों का पहलु अनुपात आमतौर पर 60 से शुरू होता है। और जैसे-जैसे साइड वॉल पतली होती जाती है यह संख्या कम होती जाती है।

इन टायरों का फायदा

ये टायर आपकी कार के लुक्स को शानदार तरीके से बढ़ाते ही हैं साथ ही हैंडलिंग और ग्रिप बेहतर हो जाती है, खासकर गर्मी के दिनों में। इसके साथ ही आपके कार की ब्रेक भी बेहतर हो जाती है। इसमें टायर का अधकि हिस्सा जमीन के साथ लगता है, इससे यह सामान्य टायर के मुकाबले अधिक कर्षण देता है। लो प्रोफाइल टायर आपकी कार के कॉर्नर को खूबियां देता है। टायर के कोने चौड़े होने के कारण यह कॉर्नर फोर्सेज का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। इसके साथ ही स्टीयरिंग की क्षमता में भी इजाफा हम साफ तौर पर देख सकते हैं।

इन टायरों के नुकसान

भारतीय परिदृश्य के संदर्भ में लो-प्रोफाइल टायरों और रिम को पहुंचने वाला नुकसान अतिसंवेदनशील है। क्योंकि इन टायरों में हवा का दबाव कम होता है, इसलिए यह खराब कंकर-पत्थर वाली सड़कों पर इन टायरों से चलना बहुत मुश्किल हो सकता है।

बारिश में सावधानी

लो-प्रोफाइल टायरों के साथ आपको बारिश के दिनों में अधिक सावधानी बरतनी पड़ती है। ये टायर गीले होने पर कम एक्वाप्लानिंग देते हैं। एक्वाप्लानिंग उस स्थिति को कहते हैं जब टायर और सड़क के बीच पानी की परत बन जाती है।

सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली एमपीवी

भारतीय बाजार में हैचबैक कारों की अच्छी पकड़ है लेकिन, इन दिनों ये देखा जा रहा है कि ग्राहक नए सेगमेंट की कारों में भी काफी रुचि दिखा रहे हैं। एक वक्त एमपीवी सेगमेंट की कारों को कुछ खास पसंद नहीं किया जाता था लेकिन बीते कुछ सालों में इसमें बड़ा बदलाव देखा गया है। ग्राहक एमपीवी सेगमेंट की गाड़ियों में खासा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इस सेगमेंट की कारों में ज्यादा लोगों के बैठने की सुविधा तो होती ही है साथ ही साथ ये गाड़ियां बजट के मामले में भी ग्राहकों को लुभाती हैं। इसके अलावा इन गाड़ियों का माइलेज भी काफी अच्छा होता है। हम आपको एमपीवी सेगमेंट की उन गाड़ियों के बारे में बताते हैं जिसके माइलेज को जानकर आप चौंक जाएंगे।

होंडा मोबिलियो

होंडा ब्रियो की प्लेटफॉर्म पर तैयार होंडा मोबिलियो भारत की पहली एमपीवी कार है। इस कार का डायमेंशन काफी प्रभावित करता है। होंडा मोबिलियो का व्हीलबेस 2650एमएम का है जिसकी वजह से कार के अंदर अच्छी-खासी जगह है। होंडा मोबिलियो 1.5-लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। इस कार का डीजल वेरिएंट 24 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देता है। इसका माइलेज 24.5 किलोमीटर प्रति लीटर है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा

मारुति सुजुकी अर्टिगा पहली कॉम्पैक्ट एमपीवी है जिसमें इस सेगमेंट की दूसरी गाड़ियों को कड़ी टक्कर दी। यह एमपीवी देखने में बहुत बड़ी नहीं है लेकिन इस कार में 7 लोगों के बैठने की सुविधा है। मारुति सुजुकी अर्टिगा पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। इस कार के डीजल वेरिएंट में फिएट द्वारा तैयार 1.3-लीटर डीजल इंजन लगा है जो 88.8 बीएचपी का पावर और 200एनएम का टॉर्क देता है। इस कार का माइलेज 20.77 किलोमीटर प्रति लीटर है। ये देश की दूसरी सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली एमपीवी है। इसका माइलेज 20.77 किलोमीटर प्रति लीटर है।

डैटसन गो प्लस

निसान की लो-कॉस्ट ब्रांड डैटसन ने भी भारत में सब-4 मीटर एमपीवी को बाजार में उतारा है। डैटसन गो प्लस की लंबाई 3995एमएम, चौड़ाई 1635एमएम और ऊंचाई 1490एमएम है। वहीं इस कार का व्हीलबेस 2450एमएम है। इस कार के पिछले रो की सीट पर बमुश्किल बच्चों को बैठाया जा सकता है। कार का बूटस्पेस 48 लीटर का है जिसे तीसरे रो की सीट को फोल्ड करने के बाद 347 लीटर तक बढ़ाया जा सकता है। ये कार सिर्फ पेट्रोल इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। डैटसन गो प्लस में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन लगा है जो 67 बीएचपी का पावर और 104एनएम का टॉर्क देता है। इसका माइलेज 20.6 किलोमीटर प्रति लीटर है।

रेनो लॉजी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में डासिया लॉजी नाम से मशहूर इस कार को भारत में रेनो लॉजी के नाम से लॉन्च किया गया था। रेनो लॉजी को रेनो डस्टर के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इस कार का व्हीलबेस 2810एमएम का है और इसमें 7 से 8 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। कार में 1.5-लीटर के9के डीजल इंजन लगा है जिसे दो तरीके से ट्यून किया गया है। ये कार 84 बीएचपी और 108 बीएचपी पावर ऑप्शन के साथ मौजूद है। इस कार में वही इंजन लगाया गया है जिसे रेनो डस्टर में भी इस्तेमाल किया जाता है। फिलहाल ये कार मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है।इसका माइलेज 19.98 किलोमीटर प्रति लीटर है।

महिंद्रा जाइलो

इस लिस्ट में सबसे पुरानी गाड़ी महिंद्रा जाइलो है। कार की लंबाई 4250एमएम और व्हीलबेस 2760एमएम है। कार का इंजन लगा है 118 बीएचपी का पावर और 280एनएम का टॉर्क देता है। इसका माइलेज 14.02 किलोमीटर प्रति लीटर है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**